RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

वाराणसी कैण्ट विधायक सौरभ श्रीवास्तव को सम्मानित करती बीके सरोज, बीके रीता साथ में ओएन उपाध्याय

शिव आमंत्रण

मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इश्वरीय सौगात देते हुए बीके निर्मला बहन।

वर्षः 5, अंकः06 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | सशक्तिकरण एंव सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक) - 2017, जून, सिरोही, पृष्ठः 6, मूल्य: 7.50 रुपए

विश्व का मार्ग दर्शन कर रही है ब्रह्माकुमारी : न्याय मंत्री कृष्ण बेदी ...पेज - 2

कर्मयोगी की तरह दादी दे रही हम सबको आशीर्वाद : प्रधानमंत्री मोदी ...पेज - 3

सर्वोत्तम ब्राह्मण बनना है तो मर्यादाओं की लकीर के अन्दर रहो ...पेज - 4

इंडिया टीवी के रजत शर्मा को एक्सीलेंस ऑफ एचीवमेंट अवार्ड ...पेज - 5

ब्रह्मा बाबा की फिल्म लोगों की बदलेगी जिन्दगी ...पेज - 6

चीनी लोगों का भी बढ़ा राजयोग के प्रति आकर्षण ...पेज - 6

ब्रह्माकुमारीज़ की 80वीं वर्षगांठ : शांति सरोवर, हैदराबाद में भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने अपने सम्मान समारोह में कहा, खुशी और शांति का एक-दूसरे से गहरा सम्बन्ध

शांति, सद्भावना और सौहार्द्र लाना ब्रह्माकुमारीज़ का लक्ष्य : राष्ट्रपति

शिव आमंत्रण ■ हैदराबाद

भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था है तथा इसका पूरी दुनिया भर में विशाल नेटवर्क है। संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, सदभावना और हर आदमी, स्त्री-पुरूष तथा भाई-बहन के बीच सौहार्द्रता स्थापित करना है। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की 80वीं वर्षगांठ पर शांति सरोवर में आयोजित आयोजित अभिनन्दन समारोह में बोल रहे थे।

मानव को मानव से जोड़ो

उन्होंने कहा कि हर किसी का यही मकसद है कि कैसे मानव को मानव से जोड़ा जाये। मानव प्राणी आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक शोध, तकनीकी विकास यह सब खुशी के लिए ही करता है।

दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ करते राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी।

इसे सब जगत की मान्यता है और इसको पाने के लिए ही हर वर्ष यह संस्थान विविध संमेलनों का आयोजन करता है। खुशी और शांति का एक-दूसरे से गहरा सम्बन्ध है। ब्रह्माकुमारीज़ के इन महान कार्यो के लिए हम दिल से आभार व्यक्त करते हैं।

हुआ भाव भरा स्वागत

इस कार्यक्रम में ओआरसी की निदेशिका बीके आशा ने हैदराबाद में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के आगमन पर उनका स्वागत किया। समाज और विश्व के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किये जा रहे विविध कार्यों और सेवाओं से उनको अवगत कराया। आंध्र प्रदेश और तेलंगना के राज्यपाल इएसएल नरसिंहन, उपमुख्यमंत्री मेहमूद अली, पिछड़ा वर्ग आयोग के माजी चेयरमैन न्यायाधीश वी ईश्वरैय्या, ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, शांति सरोवर हैदराबाद की निदेशिका बीके कुलदीप, सिकंदराबाद ब्रह्माकुमारीज़ की बीके मंजू ने भी उनका तहे दिल से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का मोमेंटों एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

ज्ञात हो कि भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के कार्यकाल का ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में पहला दौरा था। इसके पहले भी संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी से भी मुलाकात करते रहे हैं। इसके साथ ही विदेश में संस्थान के सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल ने भी मुलाकात की थी।

राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करती शांति सरोवर की निदेशिका बीके कुलदीप।

दादी को अन्तर्राष्ट्रीय मदर टेरेसा विशिष्ट समाज सेवा का सम्मान

आबू रोड सिंधी पंचायत सभा ने भी किया सम्मानित

दादी को अन्तर्राष्ट्रीय मदर टेरेसा विशिष्ट समाज सेवा सम्मान से विभूषित करते अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी को विश्व में भारतीय संस्कृति तथा मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के विशेष और सराहनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन दिल्ली के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मदर टेरेसा विशिष्ट समाज सेवा के सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महेश पटेल, प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मदर टेरेसा सम्मान से नवाजित तथा संगठन के संरक्षक डॉ. आलोक सोनी एवं संगठन के विशिष्ट पदाधिकारियों द्वारा दादी जानकी के आवास पर प्रदान किया गया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेश पटेल ने कहा कि यह हमारे संगठन के लिए गौरव की बात है कि हम दुनिया की ऐसी विभूति को सम्मानित कर रहे है जिन्होंने नारी शक्ति का मिसाल पेश करते हुए पूरे विश्व में मानवता का दीपक जलाया है। दुनिया में पहली महिला संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए नारी को शक्ति स्वरूपा बनाकर एक नये समाज के निर्माण में दादी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में दादी ने सभी को आशीर्वचन देते हुए कहा कि यह मनुष्य का प्रथम कर्म होना चाहिए कि वह समस्त मानव जाति को एकता, भाईचारे और सहिष्णुता के धागे में पिरोये। इससे ही मानव जाति की रक्षा होगी और एक बेहतर समाज की स्थापना होगी।

किया सम्मान, हुए अभिभूत

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी को राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मदर टेरेसा विशिष्ट समाज सेवा से नवाजे जाने पर आबू रोड के पूज्य सिंधि पंचायत ने भी दादी को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में राजयोगिनी दादी जानकी व दादी रतनमोहिनी को पूज्य सिंधि पंचायत के अध्यक्ष रामचन्द्र रहंदामल, सचिव मोहन सी झामनानी, कमला पंजवानी समेत वरिष्ठ सदस्यों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान दादी जानकी व दादी रतनमोहिनी ने सभी सदस्यों को अपने आशीर्वचन से लाभान्वित किया।

प्रधानमंत्री मोदी के सुझावों पर सहमति | अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सार्वभौमिक चर्चा, अभियानों के लिए कमेटी का गठन

समाजोत्थान के लिए चलेंगे राष्ट्रव्यापी अभियान

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के पूरे देश-विदेश में चलने वाले वर्षभर के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने हेतु संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गयी। इसमें संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वेर, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, प्रबन्धन समिति के सदस्य तथा सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, कार्यक्रम प्रबन्धक बीके मुन्नी, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, बीके अमीरचन्द समेत वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। इसके साथ ही सभी जोन, सबजोन तथा मुख्य सेवाकेन्द्रों की प्रभारी, सभी प्रभागों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय संयोजक तथा मुख्यालय संयोजक समेत दो हजार लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी के सुझावों पर सहमतिः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संस्था के अस्सी वर्षगांठ पर दिये गये सुझावों को अमल में लाते हुए संस्था प्रमुख दादी जानकी समेत अंतराष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों ने एकमत से सहमति जताते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उर्जा संरक्षण, कुपोषण, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण तथा आनलाईन शिक्षा पर अभियान चलाने का संकल्प लिया है।

राष्ट्रीय स्तर पर कमेटी का किया गठन

राज्य तथा केन्द्र सरकार के सहयोग से चलने वाले इस अभियानों के क्रियान्वयन के लिए सभी प्रदेशों के प्रमुख लोगों की कमेटी का गठन किया गया है जो अपने-अपने क्षेत्र में नेतृत्व करेंगी। साथ ही हर वर्गो में इसकी पहुंच के लिए सम्बन्धित प्रभागों को भी इसमें शामिल किया गया है।

मंथन ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते संस्था महासचिव बीके निर्वेर व मंचासीन संस्था प्रमुख दादी जानकी, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन एवं उपस्थित कार्यकारिणी सदस्य।

सफलतापूर्वक करेंगे लोगों की सेवा

संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि जो भी योजनायें बनायी गयी है। उसे निश्चित तौर पर धरातल पर उतारने का प्रयास किया जायेगा। ताकि लोगों में मूल्यों के प्रति रूझान पैदा हो। इसके साथ ही इस कार्यकारिणी की बैठक में संस्थान के सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, कार्यक्रम प्रबन्धक बीके मुन्नी समेत कई लोगों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

समाजोत्थान की बनी रूपरेखा

सात दिवसीय इस मीटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर समाज के बौद्धिक, आर्थिक तथा आध्यात्मिक उत्थान के लिए व्यापक रूप में रूपरेखा तैयार की गयी।

स्वच्छता, कुपोषण पर अभियान

मोदी के सुझावों के मुताबिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए संस्था व्यापक स्तर पर बच्चों में जागृति लायेगी।

बेटी बचाओ एवं ऊर्जा के संरक्षण पर लाएंगे जागृति

उर्जा संरक्षण के लिए एलईडी बल्ब लगाने तथा उर्जा संरक्षण के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर जागृति आये। इसके साथ ही बेटी बचाओ और पढ़ाओ पर कार्यक्रम आयोजित कर बेटियों की सुरक्षा तथा सशक्तिकरण के लिए प्रेरित किया जायेगा।

एक हजार से भी ज्यादा कार्यक्रम होंगे

इस विशाल प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सभी जोन, सबजोन, मुख्य सेवाकेन्द्रों तथा सभी प्रभागों को मिलाकर कम से कम एक हजार से भी ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

नयी दुनिया बनाना लक्ष्य

संस्थान प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी ने कार्यकारिणी के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा मकसद एक ऐसा समाज बनाना है जिसमें किसी प्रकार की कोई दुःख, अशांति ना हो। परमात्मा ने इसलिए ही इस संस्थान की स्थापना की है। हम निश्चित तौर पर एक श्रेष्ठ समाज बनाने के ईश्वर के अभियान में सफल होंगे।

वसुधैव कुटुम्बकम बिना शांति नहीं

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जब तक हम विश्व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का विकास नहीं करेंगे तब तक विश्व में शांति का माहौल नहीं बनेगा। हमारा मकसद विश्व में शांति लाना है।

संकल्प साकार करने का समय

अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का संचालन कर संस्थान के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा कि संस्थान के साकार सस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने अस्सी वर्ष पहले जो बीज बोया था वह वृक्ष बन चुका है। परन्तु अब उनके संकल्पों को पूरा करने का समय है। जो हम सब मिलकर करेंगे।

सूचना केंद्र में चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

शुकराने की चादर व इबादत के फूल चढ़ाए, दिया कौमी एकता का संदेश

ख्वाजा के दरबार से दिया विश्व बंधुत्व एवं भाईचारे का संदेश

शिव आमंत्रण ■ अजमेर

अजमेर शरीफ की दरगाह हिंदूस्तान में बड़ी अहमियत रखती है। खास बात यह है कि ख्वाजा पर हर मजहब के लोगों का यकीन है क्योंकि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती वे रूहानी शख्सियत थे जिन्होंने दुनिया को इंसानियत का प्यार भरा महान पैगाम दिया और वही इंसानियत का संदेश अजमेर के दरबार से ब्रह्माकुमारी बहनें अजमेर सिटी ऑफ स्प्रिट की टीम सदस्य बनकर दे रही हैं।

इंसानियत का संदेश

इसी इंसानियत का संदेश देने के लिए अजमेर दरगाह द्वारा बनाए गए सिटी ऑफ स्प्रिट की टीम ने सूचना केंद्र में फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस अवसर पर सर्वधर्म कमेटी के सदस्यों में शामिल अजमेर सबजोन प्रभारी बीके शांता समेत कई बीके सदस्यों ने ख्वाजा के दरगाह पर चादर चढ़ाई। इस प्रदर्शनी में कौमी एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने की बेहतरीन मिसाल पेश की गई थी।

जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान समेत अनेक धर्मों के अनुयायियों ने मुख्य भूमिका निभाई। इस चित्र प्रदर्शनी की शहर भर के प्रमुख धर्म गुरूओं व गणमान्य लोगों द्वारा जमकर सराहना की गई। मंच से ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए बीके रूपा ने कहा, हम सब एक है, एक भगवान के बच्चे है और अलग-अलग धर्मों में उनको ही माना गया है।

ख्वाजा साहब के दर पर चादर पेश करते बीके शान्ता के साथ कौमी एकता के सदस्य।

मूल स्वरूप सबका एक

धर्म के नाम पर हमने अलग-अलग ग्रुप बनाये है लेकिन हम सब का मूल स्वरूप एक ही है। इस प्रदर्शनी की सफलता पर टीम के सदस्यों और आयोजकों ने दरगाह में हाजरी दी तथा शुकराने की चादर व इबादत के फूल चढ़ाए।

खुशहाली की कामना

जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में अजमेर सबजोन प्रभारी बीके शांता, चौरसिया वास रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा, माउंट आबू से बीके भानू, बीके अंकिता व टीम के अन्य सदस्यों में चित्रांग सिंह, सरदार बलबीर सिंह, नूर मोहम्मद, मुसीफ अली खान, मोहम्मद नाजीर कादरी आदि ने मौजूद होकर देश में अमन, चैन, भाईचारे व खुशहाली के लिए कामना की । कार्यक्रम का कुशल संचालन सैय्यद इमरान चिश्ति एवं रमेश लालवानी ने किया।

कंधमाल : व्यसनमुक्ति की ऐतिहासिक पहल

25 गांवों में दिया नशामुक्ति का संदेश

शिव आमंत्रण ■ कंधमाल

उड़ीसा के पिछड़े व आर्थिक रूप से कमजोर कंधमाल जिले के लोगों में नशा नासूर बन चुका है। जिससे कई प्रकार की बीमारियां तो फैल ही रही है साथ ही युवा पीढ़ी का जीवन भी बर्बादी के कगार पर है। इसको गम्भीरता से लेते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान कंधमाल के 25 गाँवों में सघन व्यसनमुक्ति अभियान चला रही है जिससे लोगों को नशे से बचाया जा सके। कंधमाल जिले के मालेरीमहा गांव में राजयोग के माध्यम से न केवल लोगों को व्यसनों से छुड़वाया गया बल्कि उनमें व्यावहारिक परिवर्तन भी देखने को मिले हैं जिससे उनके जीवन में सुख शांति आई है। संस्थान द्वारा गांव-गांव में की जा रही बेहतरीन सेवाओं को देखते हुए कमिश्नर नीतिन चंद्रा ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान सरकार के साथ मिलकर समाज सेवा करे जिसे सदस्यों ने स्वीकार किया।

गांव-गांव देंगे संदेश

कमिश्नर नीतिन चंद्रा ने एक वाहन भी सहयोग के तौर पर सदस्यों को दिया ताकि गांव-गांव में जाकर संस्था की बहनें व भाई लोगों को स्वच्छता और नशामुक्ति के प्रति जागरूक बना सकें। जिसके पश्चात संस्था द्वारा तोड़ोबल्लू महा और फिरंगिया समेत लगभग 25 गांव के लोगों को व्यसनमुक्त बनाने के साथ स्वच्छ समाज बनाने का संदेश दिया। इस ईश्वरीय सेवा में फुलबाणी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भारती, बीके सविता, बीके गीता और बीके वीरेंद्र तथा बीके दशरथ समेत अनेक सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

विश्व का मार्गदर्शन कर रही है ब्रह्माकुमारीज़ : न्याय मंत्री कृष्ण बेदी

ब्रह्माकुमारीज़ के हेल्थ, वेल्थ फेस्टिवल मेले का उद्घाटन

शिव आमंत्रण ■ अंबाला

अंबाला में शुरू हुए ब्रहमाकुमारीज़ के मेले में मंचासीन अतिथिगण

वर्तमान में मनुष्य के पास सबकुछ है लेकिन फिर भी आध्यात्मिकता बिना जीवन अधूरा है। इसके लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान भारत ही नहीं पूरे विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। घर-परिवार में रहते हुए सामान्य जीवन जीते हुए लोगों को पवित्रता, शान्ति धारण करने की कला सिखाकर ब्रह्माकुमारीज़ ने विश्वभर के सामने एक अनूठा व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उक्त उद्गार सामाजिक एवं न्याय मंत्री कृष्ण बेदी ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा रामबाग मैदान में आयोजित हेल्थ, वेल्थ, हैप्पीनैस मेले में व्यक्त किये। मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने बतौर मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री एडवोकेट नम्रता गौड, चंडीगढ़ क्षेत्र प्रभारी बीके उत्तरा ने कार्यक्रम अध्यक्ष के साथ अंबाला सबजोन इंचार्ज बीके कृष्णा, अंबाला सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सरोज, कैथल सेवाकेन्द्र संचालिका बीके पुष्पा, सिरसा सेवाकेन्द्र संचालिका बीके बिंदु, मंडी सेंटर से बीके शीला ने शिरकत की। अतिथिगण ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कन्याओं ने स्वागत गीत द्वारा अतिथिगण का स्वागत किया व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को अध्यात्म से सराबोर कर दिया।

जीवन को बनाएं शांतिमय

बेदी ने कहा, मैंने व्यक्तिगत तौर पर संस्था के साथ जुड़कर ये बातें अनुभव की हैं। कुरीतियों व भ्रष्टाचार के माहौल को बदलने में ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षा कामयाब साबित हो रही हैं और पूरे विश्व को रास्ता दिखा रही हैं। उन्होंने लोगों से इस संस्था में राजयोग सीख कर अपने जीवन को सुख शांतिमय बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बीके सरोज तथा बीके उत्तरा ने कहा कि आज भागदौड़ भरी जिंदगी में जीवन नीरस व अशांत हो गया है। संस्था विश्वभर में आध्यात्मिकता द्वारा जीवन में खुशियां, शांति लाने का भागीरथ प्रयास कर रही है।

इसके लिए संस्था विश्वभर में नि:शुल्क राजयोग मेडिटेशन सिखाने में जुटी है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंत्री कृष्ण बेदी ने मेले का अवलोकन किया तथा मेले में आयोजित झाँकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली।

जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं का सहयोग अहम

जीवन में सफलता विषय पर बजरंग दास गर्ग के विचार

शिव आमंत्रण ■ सिरसा

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंगदास गर्ग को ईश्वरीय सौगात देतीं बीके गीता।

आज एक तरफ विज्ञान के विकास और नई तकनीकों के आविष्कार से व्यापार हाईटैक होता जा रहा है और वहीं दूसरी ओर व्यापार में आ रहे बदलाव और सरकार की नई नीतियों के कारण व्यापारी वर्ग तनावग्रस्त भी हो रहा है। अगर इस क्षेत्र में महिलाएं आगे आए और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर पुरूषों के साथ व्यापार को सफल बनाने के लिए सहयोगी बनें तो तनाव को कम किया जा सकता है। उक्त विचार हरियाणा प्रदेश व्यापार मण्डल के प्रान्तिय अध्यक्ष और ज़ॅनफैड, हरियाणा के पूर्व चेयरमैन बजरंग दास गर्ग ने ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग तथा शांति सरोवर, सिरसा द्वारा जीवन में सफलता और परिवार में कुशलता विषय पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। उन्होंने सफल जीवन के लिए व्यापारी वर्ग मे जागरूकता लाने हेतु ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की और अपने विभाग की ओर से हर प्रकार से सहयोग देने की बात भी कही। पिछले 50 वर्षों से मानव सेवा में समर्पित ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके गीता ने कहा कि सफलता को पुन: परिभाषित करने की आवश्यकता है।

स्वयं की न करें अनदेखी

यह समझना जरूरी है कि व्यापार और परिवार में सन्तुलन और सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी व्यक्ति स्वयं है जिसे वो अनदेखा कर रहा है और यही लापरवाही तनाव का कारण बनती जा रही है। प्रभाग के एक्टिव सदस्य बीके राज सिंह तथा गुजरात के सफल व्यापारी बीके मनोज पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में बीके बिन्दू ने राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से हर समस्या का समाधान और मजबूत व्यक्तित्व का आधार बताते हुए सभा में उपस्थित जनों को राजयोग के अभ्यास द्वारा आन्तरिक शान्ति का अनुभव कराया।

सकारात्मक सोच से मानसिक स्थिरता बनी रहती है : बीके भगवान

शिव आमंत्रण, कूच बिहार। समस्याओं को समाप्त करने एवं सफल जीवन जीने के लिए विचारों की सकारात्मकता बहुत आवश्यक है। किसी देश को सुरक्षा नैतिक मूल्यों से भी मिलती है। जिस देश के नागरिकों में सदगुण, सच्चाई, प्रेम व आपसी भाईचारा है उस देश की सुरक्षा व्यवस्था भी सर्वोत्तम होती है। एक-दूसरे के प्रति सकारात्मक सोच भी कई समस्याओं से बचा देती है। उक्त विचार व्यक्त किये ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय से आये बीके भगवान ने। वे पश्चिम बंगाल के कूच बिहार सेवाकेन्द्र द्वारा जाट रेजिमेंट के जवानों के लिए आयोजित तनाव मुक्ति कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर मेजर किशोर राम, श्याम सिंह, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शंपा, बीके सपन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में मेडिटेशन बहुत ही जरूरी है जो आज ब्रह्माकुमारीज़ बखुबी सिखा रही है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया।

समरकैम्प का आयोजन

शिव आमंत्रण, बैंगलुरू। बैंगलुरू में जयानगर के सद्भावना भवन में बच्चों के लिए 5 दिन का समर कैंप लगाया गया। जिसमें छोटे छोटे बच्चों ने बडे ही उमंग उत्साह के साथ भाग लिया। समर कैंप में बच्चों के लिए कई प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। फिजिकल एक्टीविटीज के साथ-साथ इंटरनल एक्टीविटीज भी कराई गई। जिसमें बच्चों ने बाह्य चीजों के साथ-साथ स्वयं के बारे में भी जाना। इस कैंप में नन्हें नन्हें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मेमोरी एंड कन्स्ट्रक्शन सेशन, प्रेक्टीसिंग मेमोरी टेक्नीक, फन एक्टीविटी, म्युजिकल गेम, क्राफट एंड ड्राइंग सेशन, वैल्यू सेशन, योगा बेस्ड एक्टीविटी का भी आयोजन किया गया जिनका बच्चों ने भरपूर लाभ लिया। वैलिडिक्टरी सेशन में गुड शैपर्ड स्कूल के प्रिंसिपल अनंत नारायणा, यूरोकिड्स जयानगर डिविजन हेड रचना वरूण, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कल्याणी ने उद्घाटन किया। बच्चों के पैरेंट्स भी उपस्थित रहे। अन्तिम चरण में सभी परिजनों ने ऐसे कार्यक्रमों के लिए आभार व्यक्त किया।

ईश्वर की याद में किया कर्म बन जाता है पूजा : बीके स्वाति

शिव आमंत्रण, बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर के रतनपुर में सिद्ध शक्ति पीठ महामाया श्री देवी मंदिर ट्रस्ट द्वारा ज्ञानयज्ञ प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें टेलीफोन एक्सचेंज सेवाकेंद्र प्रभारी बीके स्वाति ने महाभारत और रामायण के अनेक चरित्रों द्वारा जीवन के महत्व को बताते हुए कर्मों की गुह्य गति को स्पष्ट किया। रतनपुर सेवाकेंद्र संचालिका बीके संतोषी ने चैतन्य शक्ति आत्मा का परिचय देते हुए राजयोग का नियमित अभ्यास करने की बात कही। कार्यक्रम की शुरूआत बीके रुक्मिणि और बीके नंदनी के परमात्म स्तुति गीत से हुई तथा समापन अवसर पर महामाया ट्रस्ट की ओर से बीके सदस्यों को श्रीफल, चुनरी एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर के वरिष्ठ एवं गणमान्य सदस्यों सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

समर कैम्प में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

शिव आमंत्रण, उल्लासनगर। बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ -साथ आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश से महाराष्ट्र के उल्लासनगर में समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ चांदेबाई कॉलेज के वाईस प्रिंसिपल महेश गुरदासानी, कुर्ला कैंप रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पुष्पा, बीके शाम एवं अन्य बीके सदस्यों ने दीप प्रज्वल्लन से किया। इस पाँच दिवसीय समर कैंप में कई विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को गायन, डान्स, फोटोग्राफी, योग साधना एवं स्मरण शक्ति को कैसे बढ़ाये आदि विषयों सहित नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दी गई। इस समर कैंप में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और सर्वांगीण विकास की ओर कदम बढ़ाया। इस अवसर पर बीके पुष्पा ने सभी बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए जीवन को श्रेष्ठ बनाने का मार्गदर्शन किया। साथ ही बीके परमानंद ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करता है राजयोग

आनंदमय जीवन शैली कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, कोरबा। यह वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर सिद्ध हो चुका है कि हमारा पाँच मिनट का योगाभ्यास भी आधे घंटे की थकान को दूर कर देता हैं एवं पाँच मिनिट किया गया गुस्सा हमारी दो घंटे कार्य करने की क्षमता को कम कर देता है। उक्त विचार व्यक्त किये बिलासपुर के टिकरापारा सेवाकेंद्र की संचालिका बीके मंजू ने, जो उन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा में प्रसन्न मन आनंदमय जीवन शैली विषय पर आयोजित हुए कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर महापौर रेणु अग्रवाल ने कहा कि भगवान सबको मार्गदर्शन तो करता है लेकिन उसके लिए ऐसे उच्च कोटि के लोगों को निमित्त बनाता है। उन्होंने मुख्यालय भ्रमण की इच्छा व्यक्त की। चीफ कमाण्डेंट बीके यमुना तथा पूर्व सीएमओ डॉ. सुबेदार ने कहा मेडिटेशन म्युजिक से ध्यान एकाग्र होता है। उन्होने समस्त जनों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। सेवाकेंद्र संचालिका बीके रूक्मिणि द्वारा समाज को सुख-शांति से सम्पन्न बनाने के उद्देश्य से आयोजित हुए इस कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ गणमान्य सहित कई लोग शामिल थे।

सेना के जवानों एवं कैदियों को दिया राजयोग ज्ञान

शिव आमंत्रण, उदयपुर। नेपाल के बर्राक के भवानी दल गन आर्मी कैंप में उदयपुर गायघाट सेवाकेंद्र द्वारा 7 बिलियन एक्ट ऑफ गुडनेस पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ललिता, बीके मदन, बीके भागवत ने सभी जवानों को संस्था द्वारा चलाए गए 7 बिलियन एक्ट ऑफ गुडनेस अभियान की जानकारी दी तथा प्रतिदिन एक अच्छा सत्कर्म करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का उपस्थित जवानों ने लाभ लिया। ऐसा ही कार्यक्रम जेल में सभी कैदियों के लिए भी आयोजित किया गया। इसके साथ ही मतीगाड़ा कॉलेज में भी छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में बीके सदस्यों ने सभी छात्रों को सत्कर्म करने की प्रेरणा दी एवं राजयोग मेडिटेशन भी कराया।

पेज 1 का शेष.....

20 प्रभागों के अन्तर्गत देशभर में होगी सेवाओं की धूम

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

ब्रह्माकुमारीज़ की आबूरोड में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में यह तय किया गया कि बीस प्रभागों के तहत सभी वर्गों में मूल्यों के प्रति उत्कृष्टता के लिए सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के माध्यम से पहल की जायेगी। इसके साथ ही मोदी के सुझावों को पूरे देश में क्रियान्वयन करने की कार्यक्रमों के जरिये मुहिम चलायेंगे।

1 युवा प्रभाग के देशभर में होगें 50 कार्यक्रम

मैसूर, बेलगाँव, बैंगलौर सिटी, बिलासपुर, होसूर, सिंगरौली, ईदगाह आगरा, नैनीताल, हल्द्वानी, राजस्थान, इन्दौर, मण्डला, इलाहाबाद, फर्रूखाबाद, बरेली, हाथरस, फतेहगढ़, वाराणसी, मुजफ्फरपुर, पटना, धनबाद, पुरी, ब्रह्मपुर, सम्बलपुर, नवरंगपुर, राउरकेला, आसाम-गोहाटी, तिनसुकिया तथा अहमदाबाद में आयोजित किये जायेंगे।

2 ग्राम विकास प्रभाग : 54 कार्यक्रम

अगरा, कासगंज, कानपुर, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, हापुड़, शिमला, पालमपुर, कुल्लु, अकोला, कामठी, कोल्हापुर, बुरहानपुर, पुणे, गुरूग्राम, नारनौल, सोनीपत, मोरथल, पलवल, जिन्द, धमतरी, जगदलपुर, भीलवाड़ा, कोटा, अजमेर, भरतपुर, तोशाम, छोटा उदयपुर, सुरत वराछा, पेटलाद, गोधरा, दीव, अमरेली, पादरा, बड़ौदा, बेटनोटी, कटक, मुरैना, नीमच, भोपाल, बेतमचेरेला, काकीनाड़ा, कडप्पा, जम्मू, नरकटियागंज, मुजफ्फरपुर, पटना, मोतिहारी, बेलगाम, जामखंडी आदि।

3 मेडिकल प्रभाग : 33 कार्यक्रम

मेडिकल प्रभाग: 33 कार्यक्रम-मैसूर, संजय नगर, आगरा ईदगाह, इंदौर, बरेली, काशीपुर, मूंशी पुलिया, हाथरस, गोमती नगर-लखनऊ, करहल, फतेहगढ़, वाराणसी, तमिलनाडु कोलकाता, दुर्गापुर, बाकुंडा, खड़गपुर, पुरी, कटक, ब्रह्मपुर, सम्बलपुर, राउरकेला, नवरंगपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, सिलिगुरी, हमीरपुर, हाथरस, बांदा, रायरंगपुर, बेतनोती, आसाम, तिनसुकिया।

4 कल्चरल सेवा प्रभाग : 38 कार्यक्रम

मुंबई, नारायण गांव, थाना घोडबंदर, हैदराबाद, चण्डीगढ़, अमृतसर, जम्मू, अम्बाला कैन्ट, कुरूक्षेत्र, मोहाली, जिन्द, पानीपत, हिसार, फतेहाबाद, कठुआ, करनाल, हांसी, सुनाम, मण्डी आदमपुर, धर्मपूर, देहरादून, असाम, शालीमार बाग, तिनसुकिया, ग्वालियर, मोरैना, रीवा, सीधी, पचमढ़ी, पीलीबंगा, आगरा, मुरादाबाद, काठमांडू, हैदराबाद, भीलवाड़ा, राउरकेला, करनाल।

5 महिला प्रभाग : 35 कार्यक्रम

वेलगॉम, हेब्बल, बीना, ग्वालियर, पंचमढ़ी, मुरैना, ललितपुर, सागर, खजुराहो, छतरपुर, शास्त्रीपुरम, हाथरस, मुम्बई, पुने, वाराणसी, बिन्दकी, कानपुर तपोवन, बांदा, करहल, फतेहगढ़, इलाहाबाद, हल्द्वानी, बरानसी, तमिलनाडू, पूर्व और पश्चिम मेदनापूर, झाडग्राम, साऊथ 24 प्रगना, मुज्फ्फरपुर, पटना, पुरी, ब्रह्मपुर, नवरंगपुर, राउरकेला, रायरंगपुर, बेतनोटी, तिनसुकिया।

6 शिक्षा प्रभाग : 24 कार्यक्रम

मैसूर, ग्वालियर, रीवा, सीधी, सिंगरौल, पंचमढी, सिहोर, शाजापुर, सतना, महोबा, सागर, ललितपुर, चित्रकुट, बेतूल, पना, मुरैना, वाराणसी, कानपुर तपोवन, शिकोहाबाद, कानपुर सिविल लाइन, मुज्फ्फरपुर, ब्रह्मपुर, डिब्रूगढ़, दीमापुर।

7 मीडिया प्रभाग : 27 कार्यक्रम

भोपाल, सिंगरौली, ईदगाह आगरा, सादाबाद, हाथरस, वाराणसी, तमिलनाडू, ब्रहमपुर, जलगाँव-जैन हिल्स, भिलाई, माउण्ट आबू-ज्ञान सरोवर, गुरुग्राम, सतना-कृष्णा नगर, बड़ोदा-अटलादरा, नांदेड-कैलाशनगर, कडप्पा-ओम शांतिनगर, आबू रोड-शांतिवन, गांधीनगर, गुलबर्गा, हैदराबाद, कोटा, खंडवा, मेहसाना, अमरावती, कुशीनगर, जनकपुर, नारायणगढ़-नेपाल।

8 समाज सेवा प्रभाग : 33 कार्यक्रम

मैसूर, वेलगॉव, होसुर, सीधी, ललितपुर, रीवा, पंचमढी, सतना, महोवा, मुरैना, भोपाल, छतरपुर, सागर, सिहोर, बीना, बैतूल, ग्वालियर, चित्रकुट, शाजापुर, ट्रान्सयमुना, सतारा, पुरी, तिनसुकिया, शाहगंज, गुलबर्गा, जबलपुर, अमरावती, दिल्ली, गुरुग्राम, मुलुण्ड, बेलगाँव, बहेडी, फर्रुखाबाद-बीबीगंज।

9 व्यापार और उद्योग प्रभाग : 22 कार्यक्रम

सागर, छतरपुर, मुरैना, सतना, रीवा, सीधी, भोपाल, सिंगरौली, बैतूल, ग्वालियर, हैदराबाद, पनवेल, मुलुण्ड, सतारा, गोवा, ज्ञान सरोवर, भोसरी, गोवा, भोपाल, शांतिवन-आबूरोड़, भरुच, मदुराई।

10 आई. टी. सर्विस विंग : 19 कार्यक्रम

बैंगलुरू, कमलानगर-आगरा, राजस्थान, वाशी-नई मुम्बई, सिलिगुड़ी, मुज्फ्फरपुर, पटना, भुवनेश्वर, असाम, तिनसुकिया, फरिदाबाद, मैसूर, ज्ञान सरोवर-माउण्ट आबू, मुम्बई, विले-पार्ले, सायन, वाशी, गुरुग्राम, गांधीनगर।

11 खेलकूद सेवा प्रभाग : 14 कार्यक्रम-

मैसूर, ग्वालियर, मुरैना, सीधी, बैतूल, आर्ट गैलरी म्यूजियम-आगरा, हैप्पी विलेज-चैनई, हैदराबाद, बल्लभगढ़, मानेसर, जम्मू, भिलाई, बहालगढ़, माउण्ट आबू।

12 राजनीतिक सेवा प्रभाग : 7 कार्यक्रम

मैसूर, नेहरु रोड-फर्रुखाबाद, रायपुर, जयपुर, अहमदाबाद, दिल्ली, बैंगलौर।

13 प्रशासक सेवा प्रभाग : 4 राष्ट्रीय सम्मेलन

दिल्ली, ईदगाह-आगरा, भरतपुर, गोमतीनगर-लखनऊ।

14 शिपिंग विमानन पर्यटन प्रभाग: 13 कार्यक्रम

आसाम, सिक्किम, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, मणिपुर, तमिलनाडू, राजस्थान, मध्यप्रदेश, केरल, उड़ीसा, गोवा।

15 सुरक्षा सेवा प्रभाग : 4 कार्यक्रम

दीमापुर-तिनसुकिया, शांति सरोवर-हैदराबाद, ज्ञान सरोवर-माउण्ट आबू, गुरुग्राम-ओआरसी।

16 स्पार्क सर्विस विंग : 10 कार्यक्रम

ग्वालियर, भोपाल, सिंगरौली, मुरैना, होशंगाबाद, सीधी, रीवा, पन्ना, पचमड़ी, पीपलमंडी।

17 वैज्ञानिक एवं अभियन्ता प्रभाग : 7 कार्यक्रम

कटक-उड़ीसा, ज्ञान सरोवर-माउण्ट आबू, चेन्नई, नई दिल्ली, गांधीधाम-सौराष्ट्र, एच.ए. एल-कुमारापार्क, शांतिवन-आबू रोड़।

18 यातायात एवं परिवहन प्रभाग : 5 कार्यक्रम

इन्दौर, इलाहाबाद, लखनऊ, कटक-उड़ीसा, ज्ञान सरोवर-माउण्ट आबू।

19 न्यायविद् सेवा प्रभाग : 19 कार्यक्रम

चित्रकुट, सतना, महोबा, शाजापुर, ग्वालियर, मुरैना, भोपाल, सीधी, सिंगरौली, छतरपुर, बैतूल, सागर, कमला नगर-आगरा, नैनिताल, हल्द्वानी, चण्डीगढ़, ग्वालियर, जम्मू, करनाल।

20 धार्मिक सेवा प्रभाग : 19 कार्यक्रम

कुमारापार्क, मुरैना, ग्वालियर, बीना, ललितपुर, सीहोर, पंचमढ़ी, सागर, भोपाल, बैतूल, शाजापूर, पन्ना, सीधी, हाथरस, कासगंज, बदायूँ, कानपुर तपोवन, बांदा।

सभी जोन एवं सबजोन करेंगे आयोजन

इसके अलावा जोन, सबजोन तथा प्रमुख सेवाकेन्द्रों के तहत अस्सी वर्ष के उपलक्ष्य में महाराष्ट, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, यूपी, वाराणसी, पश्चित नेपाल, ईस्टर्न बिहार, मुम्बई, चण्डीगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडू, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, असम, पश्चित बंगाल, केरला, पंजाब, जम्मू कश्मीर समेत देश के सभी राज्यों में यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर चलायें जायेंगे।

क्विक न्यूज़

केम्पेगौडा अवार्ड से बीके पद्मा सम्मानित

बीके पद्मा का सम्मान करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, बैंगलोर। कर्नाटक की बैंगलोर सिटी में ब्रहत् महानगर पालिका एवं गवरमेंट ऑफ बैंगलोर ने केम्पेगोडा जयंती के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की गई आध्यात्मिक एवं समाज कल्याण की बेहद सेवाओं के लिये बैंगलोर सिटी सबजोन प्रभारी बीके पद्मा को केम्पैगोडा अवार्ड से सम्मानित किया। आपको बता दें कैम्पैगोडा बैंगलेरू सिटी के संस्थापक एवं रचियता है जो बैंगलोर सिटी को सदैव अच्छा व आकर्षक बनाने का प्रयास करते रहें। इस दौरान बीके सदस्यों समेत अन्य वरिष्ठ लोगों का भी सम्मान किया गया।

आदर्श प्रशासन पर चर्चा, राजयोग अपनाने की अपील

येवला में नवनिर्वाचित सेविकाओं से ज्ञान चर्चा के पश्चात ग्रुप फोटो में बीके नीता एवं नीना।

शिव आमंत्रण, येवला। महाराष्ट्र के येवला शहर में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विभिन्न स्तरों पर ईश्वरीय सेवाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत येवला के नगर परिषद में भी नवनिर्वाचित नगरसेविकाओं को ईश्वरीय ज्ञान तथा राजयोग से अवगत कराया गया। इस अवसर पर बीके नीना ने आदर्श प्रशासन का स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि श्रेष्ठ विचार ही श्रेष्ठ कर्म और श्रेष्ठ समाज का निर्माण करते है। अत: हमारे लिये यह अति आवश्यक है कि हम राजयोग के अभ्यास से अपने विचारों को श्रेष्ठ बनाये तथा समाज को श्रेष्ठता के लिये प्रेरित करें। इस दौरान बीके अनु भी उपस्थित थीं।

बीके नागरत्ना का सम्मान

बीके नागरत्ना का सम्मान करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, बागलकोट। कर्नाटक के बागलकोट में महावीर जयंती के अवसर पर ओसवाल पंचायत भवन में श्री वर्धमान जैन स्थानकवासी श्रावक संघ द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में बागलकोट सेवाकेंद्र से बीके नागरत्ना, कैलाश चंद कोठारी, बिजनेसमैन अजीत कुमार, संघ के अध्यक्ष पुकराज बीटल, युवा नेता विनोद बीटल सहित कई विशिष्ट लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर बीके नागरत्ना को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शील्ड देकर सम्मानित किया।

21 महिलाएं सम्मानित

बीके आदर्श का सम्मान करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, ग्वालियर। मन शांत है तो खुशी है, आनंद है एवं हर कार्य करना सरल है। उक्त विचार ग्वालियर के लश्कर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आदर्श ने संस्कार मंजरी संस्थान एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में व्यक्त किये। इस अवसर पर शिक्षा, योग, स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में महिलाओं के कल्याण के लिये कार्य कर रही 21 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पूर्व मेयर समीक्षा गुप्ता, विवेकानंद नीदम संस्थान की महिला अध्यक्ष विद्या छपरवाल, महिला एवं बाल विकास अधिकारी रेखा अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका नीलम गुप्ता एवं बीके सदस्यों सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

केरल के तिरूवल्ला में ओम शांति भवन का उद्घाटन

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, तिरूवल्ला। केरल के तिरूवल्ला में ओम शांति भवन के उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जल संसाधन मंत्री मेथ्यू टी थॉमस, स्वामी गुरुरत्नम ज्ञान तपस्वी, चेन्नई से बीके कलावती, तमिलनाडु जोन की सर्विस कॉर्डिनेटर बीके बीना समेत अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने अनावरण कर व रिबन काटकर किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सभी ने दीप प्रज्जवलन से किया जिसमें नगराध्यक्ष के. वी. वर्घेसे, मातृभूमि के चीफ एडीटर टी. के. राजगोपाल, चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी के पी. विजयन, पार्षद वी. गणेश कुमार, अदूर की बीके उषा, बीके मीनी, सेवाकेंद्र संचालिका बीके सुजा उपस्थित थी। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने लोगों के जीवन में सुख-शांति के लिए ईश्वरीय सेवाओं का लगातार विस्तार करने की शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात् अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट की गई।
इसके साथ ही टू पीस एण्ड हैप्पीनेस विषय पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर आई बीके बीना ने बताया कि खुशी हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करती है।

परमात्म अनुभूति भवन का कोपरगांव में उद्घाटन

नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण, कोपरगाँव। नासिक के कोपरगाँव में विश्व सेवार्थ नवनिर्मित परमात्म अनुभूति भवन का उद्घाटन पूर्व मंत्री अण्णा म्हस्के, आमदार स्नेहलता कोल्हे, महानुभाव आश्रम के यशराज महाराज, जनार्दन स्वामी आश्रम के रमेश गिरी महाराज, नगराध्यक्ष विजय राव वाहाडने, नगर सेवक स्वप्निल निखडे, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना जोन की निदेशिका बीके संतोष, नासिक सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वासंती के कर कमलों से किया गया । इस दौरान कार्यक्रम में आये हुये अतिथियों ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त की एवं ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा समाज कल्याण के क्षेत्र मे की जा रही सेवाओं की सराहना की ।

सम्मान समारोह : म्हसरूल के प्रभु प्रसाद भवन में महानगरपालिका के नवनिर्वाचित नगरसेवकों एवं नगरसेविकाओं का सम्मान समारोह भी हुआ जिसमें नगरसेविका वत्सला खैरे, प्रियंका घाटे एवं नंदिनी घोडके एवं अन्य लोगों को महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना जोन की निदेशिका बीके संतोष ने उनके विजयी होने पर शुभकामनायें दी एवं उन्हें ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर महापौर रंजना भानसी ने अनुभव व्यक्त करते हुये कहा कि आज की दौड़धूप भरी जिंदगी में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा दिया जाने वाला ज्ञान बहुत ही लाभकारी व आवश्यक है। इस दौरान सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वासंती एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

कर्मयोगी की तरह दादी दे रही हम सबको आशीर्वाद:प्रधानमंत्री मोदी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक दादा लेखराज जी, आज जरूर उनकी आत्मा को शांति होती होगी कि जिस विचार को उन्होंने संस्थागत रूप दिया, और स्त्री शक्ति के माध्यम से उसे आगे बढ़ाया, उस आंदोलन को आज 80 वर्ष हो रहे हैं। हमारे देश में 80 वर्ष का एक विशेष महत्व माना जाता है। दुनिया में 25 साल, 50 साल, 75 साल, 100 साल ये तो मनाए जाते हैं, लेकिन भारत में 80 साल का एक विशेष महत्व है। और जब किसी व्यक्ति के जीवन में या संस्था के जीवन में 80 साल होते हैं, मतलब कि वो सहस्र चंद्र-दर्शन का पर्व होता है। 80 साल की यात्रा में व्यक्ति या संस्था ने एक हजार बार पूर्ण चंद्र के दर्शन किए होते हैं।

आज ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, दादा लेखराज जी के प्रयत्नों से आरंभ हुआ ब्रह्माकुमारी आंदोलन उस सहस्र चंद्रदर्शन की वेला पर है तब, विश्व की पूरी मानव जाति को शीतलता प्रदान करने का उसका प्रयास इस अवसर से नई ऊर्जा पा करके आगे बढ़ेगा। गत वर्ष दादी जानकी जी ने शताब्दी पूरी की। एक सौ वर्ष की हैं; और आज भी एक कर्मयोगी की तरह समय दे कर के हम सबको आशीर्वाद दे रही हैं। मैं दादीजी को यहां से प्रणाम करता हूं।

आप लोगों के बीच मुझे कई बार आने का अवसर मिला है। आप सबका मुझ पर अपार स्नेह रहा है। एक उच्च विचार के साथ संस्था के जीवन में 80 साल कम समय नहीं होता। आज विश्व की जो स्थिति है, मानव का जो स्वभाव बनता जा रहा है, उसमें कोई भी संगठन या व्यवस्था में 10 साल, 15 साल, 20 साल के बाद बिखराव शुरू हो जाता है। गुट बन जाते हैं, ग्रुप बन जाते हैं, एक में से दस संस्थाएं पैदा हो जाती हैं। दादा लेखराज जी की कमाल रही कि 80 साल के बाद भी, जिन आदर्शों, मूल्यों को लेकर ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, ब्रह्माकुमारी आंदोलन को चलाया, नारी शक्ति को प्राथमिकता देते हुए चलाया, और वो आज भी उतने ही मनोयोग से, उतनी

ब्रह्माकुमारीज की अस्सीवीं सालगिराह पर प्रधानमंत्री मोदी का दिया गया ओजस्वी वक्तव्य

ही कर्मठता से, उतनी ही एकजुटता के साथ विश्व भर में अपना संदेश दे रहे हैं। लाखों कार्यकर्ताओं की श्रृंखला तैयार की है। ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी, भारत के अध्यात्म के संदेश को विश्व में पहुंचा रहे हैं। आप सब बधाई के पात्र हैं, आप सबका मैं अभिनंदन करता हूं।

मेरा ये सौभाग्य रहा है कि आप लोगों के बीच आने का कई बार मौका मिला है। आप सबकी बुद्धि को मैंने निकट से देखा भी है। आपके चिंतन को मैंने समझने का प्रयास भी किया है और एक अच्छा सान्निध्य भी मुझे आप लोगों का मिला है।

मुझे वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से आप सबके दर्शन करने का सौभाग्य मिला। ब्रह्माकुमारी कार्य-योजना की विशेषताएं रहती हैं, आज एक नई विशेषता आपने दिखाई। प्रकाश के माध्यम से आप सबने अभिवादन किया, और सामने आप सबको टीवी पर मैं देख रहा हूं। जिस प्रकार से आपने टॉर्च जला करके प्रकाश फैलाने का प्रयास किया, सचमुच में तो दादा लेखराज जी ने और आज दादीजी के नेतृत्व में ज्ञान के प्रकाश को पूरे विश्वभर में फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। हम एक ऐसे देश के प्रतिनिधि हैं, एक ऐसे देश की संतान हैं, जो कभी भी अपने विचारों को थोपने में विश्वास नहीं करता है। हम वो लोग हैं, जिस बात को मानते हैं कि ज्ञान को न कोई सीमाएं होती हैं, ज्ञान को न कोई समय के बंधन होते हैं, ज्ञान को न पासपोर्ट की जरूरत होती है, ज्ञान को न वीजा की आवश्यकता होती है, ज्ञान तो युगों-युगों तक मानव-संपदा होती है; वो कालातीत होती है; वो कालबाह्य होती है; वो नित्य नूतन होती है, और उस ज्ञान के मार्ग पर ही हम जीवन के सत्य को जान पाते हैं।

ब्रह्माकुमारी के माध्यम से ये निरंतर प्रयास चला है और भारत की ये विशेषता भी रही है। यही देश हैं जिसने विश्व को डंके की चोट पर कहा है ईश्वर एक है। विविध रूप से लोग उसको जानते हैं, हिन्दू का भगवान अलग, मुसलमान का भगवान अलग, ईसाई का भगवान अलग, पारसी का भगवान अलग, ये हमारा चिंतन नहीं है।

सत्य एक है, संत महात्मा उसको अलग-अलग रूप से पुकारते हैं। अलग-अलग लोग उसकी अलग-अलग रूप से व्याख्याएं करते हैं। लेकिन हमारा जो सत्य के संबंध में दृष्टिकोण है वो दृष्टिकोण उसी भावनाओं से भरा हुआ है।

मैंने सुना कि शांतिवन में आपने एक सोलार प्रोजेक्ट का प्रारंभ किया है। शांतिवन से जुड़े अस्पताल में भी भूतकाल में मुझे आने का अवसर मिला था। गरीबों की कैसी सेवा हो रही है मैंने अपनी आंखों से देखा था। आप जब सोलार एनर्जी के लिए इतना कर रहे हो, और मुझे याद है वहां आबू रोड पर आपको जो एक प्रकार से गतिविधि का केंद्र है, उसको तो कई वर्षों पहले आपने सोलार एनर्जी से चलाने का उस समय निर्णय किया था; जब दुनिया में ग्लोबल व..र्मिंग की इतनी चर्चा नहीं होती थी, तब आपने किया था। तो इसलिए आप लोग कितने दीर्घदृष्टि से काम करते हैं इसका ये उदाहरण है। और मुझे विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में देश में, मानव जीवन में एक ऐसी ऊर्जा की क्रान्ति आ रही है, हम साफ देख रहे हैं कि प्रकृति में सौर-ऊर्जा का जितना महत्व है, उतना ही व्यक्तित्व में शौर्य ऊर्जा का है। और जब ओज हो, तेज हो, सामर्थ्य हो, संकल्प हो, तो व्यक्तित्व नई ऊंचाइयों को पार करता है। आज 3 मेगावाट सोलार एनर्जी आबू जैसे स्थान पर ये प्रयास बहुत ही प्रेरक बनेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

पड़ोस में गुजरात में सोलार एनर्जी में एक बहुत बड़ा इनिशिएटीव लिया था। भारत के अंदर सोलार एनर्जी के संबंध में अलग तरीके से सोचने के लिए देश की सभी सरकारों को प्रेरित किया था। गुजरात सरकार का उपयोग बड़ा सफल रहा। और आज शांतिवन भी इस सौर-ऊर्जा के साथ जुड़ रहा है, ये प्रकृति की रक्षा का काम है। और आपने तो शांतिवन में सोलार प्लांट से एक दिन में 38 हजार से ज्यादा लोगों का भोजन बनना संभव होगा, ये अपने-आप में प्रकृति की रक्षा के लिए कितना बड़ा काम करके दिखाया हैं। आपके द्वारा सोलार होम लाईटिंग सिस्टम्स, सोलार कुकिंग बक्सेस, ये भी घर-घर पहुंचाने का एक बड़ा आंदोलन चल रहा है। तो एक बहुत बड़ा बदलाव समाज में लाने का प्रयास आपके द्वारा हो रहा है। सिर्फ अध्यात्मिक बातें नहीं, लेकिन प्रकृति के साथ जी करके गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में कैसे बदलाव लाया जा सकता है, उस दिशा में प्रयास किया है।

दुनिया जिस संकट से जुझ रही है, उस ग्लोबल वार्मिंग में भारत भी है। उसमें दुनिया के लिए भारत किस प्रकार से काम आ सकता है; भारत से संकल्प किया है - ट्वेंटी थर्टी - 2030 तक यानी आज से 13 साल के भीतर-भीतर भारत की जो टोटल ऊर्जा है, जरूरत है, उसकी 40 प्रतिशत पूर्ति नॉन फॉसिल फ्युएल बेस रिनिवेबल एनर्जी से ही करने का हमारा लक्ष्य है।

2022 में भारत की आजादी के 75 साल हो रहे हैं, और जब भारत की आजादी के 75 साल हो रहे हैं तब 2022 में हम सोलार के क्षेत्र में क्या इनिशिएटीव ला सकते हैं, रिनिवीबल एनर्जी में क्या इनिशिएटीव ला सकते हैं? भारत ने संकल्प किया है 175 गिगा वैट रिनिवीबल एनर्जी का। बहुत बड़ा लक्ष्य है ये। आज आप 3 मेगावाट ले करके आए हैं। जितना ज्यादा हम उपयोग करेंगे, मानव जाति की, प्रकृति की, परमात्मा की बहुत बड़ी सेवा होने वाली है। इस काम में आप भी जुड़े हैं, मैं आपका बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं, और वैसे आप प्रकृति की रक्षा के लिए अनेक काम भी कर रहे हैं; उससे भी बहुत लाभ मिलेगा, फायदा मिलेगा।

उसी प्रकार से वृक्षों की दिशा में आपका काम है। हमारे यहां तो पौधे को ही परमात्मा माना गया है। हरित क्रान्ति, दुग्ध क्रान्ति, ऊर्जा क्रान्ति, कई ऐसे काम हैं जो प्रकृति की रक्षा करेंगे, मानव को भी एक नई दिशा देंगे, उस पर आप काम कर रहे हैं। मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आपके द्वारा, ये पता होगा कि भारत सरकार ने एक इनिशिएटीव लिया है ऊर्जा की बचत के लिए एलईडी बल्ब का। आज करीब-करीब 22 करोड़ एलईडी बल्ब नगर पालिकाओं ने, महानगर पालिकाओं ने, लोगों ने अपने घरों में लगाए हैं और इससे करीब-करीब 11 हजार करोड़ रुपये की बचत सामान्य मानव को होती है।

....क्रमशः

हम सबके जीवन को संतुलित करने का आधार है राजयोग

शख्सियत

बीके ट्रिश वर्तमान में ईश्वरीयसेवार्थ वियतनाम में हैं।

भारत एक धार्मिक और आध्यात्मिक शक्तियों में विश्वास करने वाला देश है। जहाँ विविध प्रकार के योग और आध्यात्मिक उन्नति के तौर तरीके बताये जाते हैं। मनुष्य के सर्वांगिण विकास बिना अध्यात्म के सम्भव नहीं है। इसके लिए प्राचीन काल से ही समाज को बेहतर बनाने में इसे अपनाया जाता रहा है। भौतिक विकास ही सबकुछ नहीं है। इसके लिए जरूरी है कि आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी हो। कई बार हम विकास के नाम पर और व्यायाम और आसनों को ही राजयोग समझने लगते हैं। यही वजह है कि आज तक लोगों में आन्तरिक सकारात्मक बदलाव होने के बजाए लगातार मूल्यों में गिरावट होती रही है। तीन वर्ष पूर्व देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की अपील की थी। जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्वीकार करते हुए 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय दिवस घोषित कर दिया और पूरे दुनिया भर में योग के प्रति लोगों का रूझान बढ़ा। इसके कारण पूरे विश्व में योग के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ा है। जिससे लोग अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहते हैं। हर गल्ली, हर मुहल्ले में लोग योग करते दिख जायेंगे। परन्तु आज जरूरत है कि जीवन में तरक्की के लिए राजयोग को अपनाया जाये। तभी हमारा मकसद पूरा होगा।

हुआ अशरीरीपन का एहसास

शुरूआत के दिनों में परमात्म अवतरण के बारे में मैंने ज्यादा सोचा नहीं। मुझे ज्ञान अच्छा लगा, मेडिटेशन में गहरी शान्ति तथा देहातीत स्थिति का अनुभव हुआ तो मुझे विश्वास हो गया कि आध्यात्मिकता है तो यही है, इसी मार्ग पर मुझे चलना है, कुछ पाना है। मेडिटेशन कोर्स पूरा होने के बाद एक दिन मैं मेडिटशन रूम मे गयी। वहाँ ब्रह्मा बाबा का एक बड़ा चित्र था। मैंने सोचा कि ये इनका गुरू होगा। मेडिटेशन में अनुभव होने के कारण तथा वतावरण में अलौकिकता और आध्यात्मिता होने के कारण मैंने स्वीकार किया कि हो सकता है, परमात्मा का अवतरण हुआ हो। यहाँ आने से पहले भी कई आश्रमों में, संगठनों में गयी थी लेकिन ऐसा वातावरण, ऐसा अनुभव मुझे कहीं नहीं हुआ था। इसलिए इनकी कर बात ने दिल छू लिया उसके आधार पर ही मैं इस ज्ञान में चल पड़ी।

एक चीज की कमी होती थी महसूस

न्यूजीलैण्ड के कैथोलिक परिवार में जन्मी ट्रिश का बड़ा परिवार था। बचपन का नाम ट्रिश सम फिल्ड था। ट्रिश के छह-भाई-बहन थे। प्रारम्भिक शिक्षा के लिए मेरे माता पिता ने कैथोलिक स्कूल भेजा जहाँ मेरी पढ़ाई प्रारम्भ हुई। बचपन से ही परमात्मा के प्रति गहरा विश्वास था। क्रिश्चियानिटी के प्रति मुझे बहुत आदर भाव था लेकिन उस धर्म की कुछ बातों को मैं समझ नहीं पा रही थी। उस समय मेरी आयु 17 वर्ष की थी। मैं नियमित रूप से चर्च जाती थी, फिर भी मुझे किसी एक चीज की कमी महसूस होती थी। मेरा लौकिक परिवार तथा मित्र-सम्बन्धी भी आर्थिक रूप से सशक्त थे। हमें भौतिक वस्तु तथा वैभवों की कमी नहीं थी। लौकिक रूप से सब सन्तुष्ट तथा एकता वाले थे।

परमात्मा परिपूर्ण है तो सजा कैसे दे सकता

जीवन में हमेशा अधूरापन महसूस होता था। लगता था कि मुझे और कुछ पाना है जो यहाँ नहीं मिल रहा है। परमात्मा अच्छा करने वालों को दण्ड देता है-यह मुझे जँचता नहीं था। जब परमात्मा को परिपूर्ण कहा जाता है तो वह दूसरों को सजा कैसे देगा-यह प्रश्न मुझे सोचने को मजबूर करता था। जब मैं 19 साल की थी तब युनिवार्सिटी में एक साल कॉमर्स पढ़ने की बहुत उत्सुकता थी। मैंने एक साल की छुट्टी ली ताकि मैं विश्व भ्रमण कर, इसके बारे में जान सकूँ।

राजयोग से मिटते हैं दुर्गुण

राजयोग सीखने से पहले, मेरे में बहुत क्रोध था, अहंकार था। राजयोग द्वारा मुझे अपने इन दुर्गुणों को मिटाने में बहुत मिली। कर्मक्षेत्र पर कर्म करते हुए मैं सूक्ष्म रूप से अपनी जाँच करती हूँ कि किसी को मेरे से कुछ भी अड़चन न हो। मैं जहाँ भी कार्य करती हूँ, शान्ति से, सरलचित से करती हूँ। मैं न किसी से डिस्टर्ब होती हूँ और न ही किसी को डिस्टर्ब करती हूँ।

विदेश में परमात्म साथ का अहसास

कदम कदम पर अनुभव होता कि बाबा हमारे साथ है और हमारे रास्ते को निर्विघ्न बना रहें है। हम भी वहाँ अपनी अवस्था को सदा बनाकर रखने की कोशिश करते है। ऐसी कई घटनायें हुई है जिनमें बाबा की पूरी मदद थी।

अज्ञान मिटाने का संकल्प

विदेश में विज्ञान तथा भौतिकवाद से लोग उदास, निराश तथा दिशाहीन हो रहे है। किशोर-किशोरियाँ, युवक-युवतियाँ जीवन से तंग आकर आत्महत्या कर रहे है, नशीली वस्तुओं के गुलाम बने हुए है। अभी वे लोग समझ रहे है कि भौतिकता से सच्चा सुख-शान्ति मिलने वाला नहीं है। इसलिए वे पूर्व की ओर देख रहे है। खासकर भारत से उनको बहुत ही उम्मीदें है। अत: आजकल पश्चिमी देशों में लोग बुद्धिस्ट मेडिटेशन, राजयोग मेडिटेशन तथा आध्यात्मिकता की तरफ ज्यादा जा रहे है।

किया विश्वभ्रमण

बचपन से ही हमें आध्यात्मिकता में रूचि थी तथा जीवन के बारे में जानने की बहुत जिज्ञासा थी। मन की शान्ति के लिए विश्व भ्रमण किया, बुद्धिस्ट मेडिटेशन सीखा। फिर ऋषिकेश जाकर योगा अकादमी में हठयोग सीखा। सन् 1987 में जब ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर थी तब ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त हुआ। वर्तमान समय आप ईश्वरीय सेवार्थ वियतनाम में रहती है।

सुख शांति के लिए सीखे राजयोग

एक दिन ऐसा आएगा कि जब विदेश के बी.के भाई-बहनों कि संख्या बढ़ जायेगी। उन के जीवन तथा व्यवहार को भारतवासी देखगें, और जरूर वो चाहगें कि इन जैसा जीवन हम भी जीये। तो उनको ईश्वरीय ज्ञान पाना ही पड़ेगा। मैं समझती हूँ कि इस तरह से भारत के लोग जागेंगे और बाबा के बच्चे बनेगें। भौतिक तरक्की के साथ आध्यात्मिकता रखें आज भारत सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। अगर इसके साथ भारतवासी अपने-जीवन में आध्यात्मिकता का भी समायोजन करते है तो उनको और ही सफलता तथा कीर्ति मिलेगी- भौतिकिता कोई परिपूर्णता नहीं हैं। यही परमात्मा का संदेश है।

हमारा माइंड जो सोचता है, वैसे ही शरीर कार्य करता है

असीमित हैं हमारे मन की शक्तियां

आंखों को खोलिए। क्या आपकी जीभ में पानी आया, महसूस कर रहे हैं। तो जो मन सोचता है वह बॉडी में रिएक्शन होता है। माइंड में इतनी जबरदस्त पावर है। कहते हैं अफ्रीका में जब आदिवासियों को कोई पेड़ काटना पड़ता है तब वह पेड़ों को काटते नहीं थे वह पेड़ों के पास जाते और उसे जी भरकर कोसते रहते, गालियां देते। कुछ दिनों के बाद पेड़ अपने आप मुरझा जाता और पेड़ मर जाता। इतनी जबरदस्त पावर हमारे माइंड में होती है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि एक बार माइंड का प्रैक्टिकल टेस्ट हुआ। एक व्यक्ति को साइंटिस्ट ने अपने हवाले में लिया और कहा कि आप को फांसी की सजा हो गई है। हम आपको फांसी से नहीं मारेंगे, हम आपको सांप से कटवाएंगे। सांप इतना खतरनाक है कि उसके काटते हीआप की मौत 30 सेकेंड में हो जाएगी। उस को दिखाया गया कोबरा सांप। और बोला कि हम तीन गिनेगें। तीन के बाद 2 बोलते ही उसके चेहरे पर कपड़ा डाल दिया गया और जैसे ही 1 बोलने वाले थे तब सांप को हटा दिया गया और तभी एक पिन चुभा दी गई। तब उस समय उस व्यक्ति ने सोचा कि उसे सांप ने काटा है जैसे ही उसके माईंड ने रिसीव किया, कि उसे सांप ने काटा है तभी 30 सेकेंड के अंदर उसकी मृत्यु हो गई।

अब सबसे ज्यादा सोचने और विचारने की बात है, जब उसका पोस्टमॉर्टम किया गया तब उसके अंदर सांप का जहर मिला। वह सांप का जहर किसने क्रिएट किया, उसके माइंड ने क्रिएट किया। तो हमारा माइंड जो सोचता है वह हम बन जाते हैं। मैं आपको एक और क्वेश्चन बताना चाहूंगा कि मीराबाई को क्या पिलाया था? जहर पिलाया था, पर क्या उसे कुछ हुआ, नहीं उसे कुछ भी नहीं हुआ। तो हमारे माइंड में बहुत जबरदस्त शक्ति है। तुम्हारा माइंड इस सॉफ्टवेयर के तरीके से काम करता है जैसे की एक पंखा है। पंखा दिखाई देता है ?हां पंखे को हम देख सकते हैं परंतु हवा को हम नहीं देख सकते। क्या हवा होती है ?-हवा होती है परंतु हम उसे देख नहीं सकते। जैसे मोबाइल है, मोबाइल को आप देख सकते हैं क्या आप कभी मोबाइल के सिग्नल को देख सकते हैं कि सिग्नल आ रहा है? नहीं देख सकते इसी प्रकार माइंड को हम अनुभव कर सकते हैं। माइंड को हम फील कर सकते हैं। माइंड को देख नहीं सकते और माइंड में इतनी जबरदस्त पावर है। उसके लिए बहुत बड़े विद्वान कहते हैं कि दुनिया की जो सबसे शक्तिशाली शक्ति वो है जिसे हम देख नहीं पाते वह शक्ति हमारे माइंड में है और माइंड को कंट्रोल करने के लिए हमेंउसके तथ्यो को समझना पड़ेगा।

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्प्रिचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

यदि प्रोग्राम के दौरान आपको बुलाया जाता है और इस बीच कोई व्यक्ति आता है और आप को कहता है कि चलो 2 मिनट के लिए आप बाहर आइए और आपको वह प्रोग्राम बहुत पसंद है तो आप निश्चित तौर पर कहेंगे कि मैं बाद में आऊंगा क्योंकि यह प्रोग्राम बहुत महत्वपूर्ण है। तब वह व्यक्ति आपकी बात मानेगा या नहीं मानेगा? वह बिल्कुल मानेगा। उस व्यक्ति का माइंड जब आपकी बात मान सकता है तो हमारा माइंड हमारी बात मान सकता है या नहीं मान सकता हां बिल्कुल मान सकता है। किंतु हमने अपने माइंड को कभी कमांड ही नहीं दी जब माइंड को हम ऐसे ही खुला छोड़ देते हैं तब माइंड हमें कंट्रोल करता है। कहते हैं कि जब हमें हमारा माइंड कंट्रोल करें तब वह सबसे बड़ा दुश्मन है और जब हम अपने माइंड को कंट्रोल करें तब सबसे बड़ा मित्र है।

यह डेमो कीजिए

एक डेमो करते हैं आप अपना हाथ सीधे करके दोनों हाथों को आपस में रगड़ने और सामने करें अब अपनी आंखों को बंद करके अपने दोनों हाथों को महसूस कीजिए कि आपके हाथ चुंबक हैं और एक हाथ आपके दूसरे हाथ को खींच रहा है और दोनों हाथ पास आ रहे हैं जब आप महसूस करेंगे कि आपके दोनों हाथ अपने आप पास आ रहे हैं, और पास, और पास, क्योंकि दोनों हाथ चुंबक है और चुंबक का काम एक दूसरे खिंचना होता है। जब आप ने मान लिया है कि दोनों हाथ चुंबक है तो ऑटोमेटिकली दोनों हाथों के बीच में अट्रैक्शन होगा और दोनों हाथ अपने आप पास आएंगे और पास आएंगे और तब अपनी आंखें खोलकर देखिए आपके दोनों हाथ पास पास होंगे तब आपने क्या महसूस किया दोनों हाथों के बीच का कलेक्शन, कि आपके दोनों हाथ एक चुंबक है। पर चुंबक कहां है चुंबक आपके माइंड में है।

...क्रमशः

जैसे चल रही हो रिकॉर्डिंग..

माइंड काम करता है एक बच्चे के जैसा। जैसे बच्चे को अगर ना बताया जाए कि यहां रिकॉर्डिंग चल रही है या कोई शो हो रहा है तो बच्चा क्या करेगा, वह कुछ भी कर सकता है, कोई भी शैतानी कर सकता है और यदि उसको बता दिया गया कि यहां पर एक रिकॉर्डिंग चल रही है आपको बिल्कुल शांत बैठना है तो निश्चित तौर पर बच्चा शांत बैठेगा तो इसलिए हमारा माइंड भी एक बच्चे के तरीके से काम करता है यदि हमने उसको बताया ही नहीं है तो बच्चा कुछ भी करेगा और अगर बता देंगे तो वही काम करेगा।

तन-मन का विकास करता है योगासन

योग साधना के आठ अंग हैं, उनमें प्राणायाम चौथे सोपान पर है। अब तक हमने यम, नियम तथा योगासन के विषय में चर्चा की है, जो हमारे शरीर को ठीक रखने के लिए बहुत आवश्यक है। प्राणायाम के बाद प्रत्याहार, ध्यान, धारणा तथा समाधि मानसिक साधन हैं। प्राणायाम दोनों प्रकार की साधनाओं के बीच का साधन है, अर्थात यह शारीरिक भी है और मानसिक भी। प्राणायाम से शरीर और मन दोनों स्वस्थ एवं पवित्र हो जाते हैं तथा मन का निग्रह होता है।

योगासनों के गुण और लाभ

- सबसे बड़ा गुण ये है कि वे सहज साध्य हैं। योगासन ऐसी व्यायाम पद्धति है जिसमें न तो कुछ विशेष व्यय होता है और न इतनी साधन-सामग्री की आवश्यकता होती है।
- योगासन अमीर-गरीब, बूढ़े-जवान, सबल-निर्बल सभी स्त्री-पुरुष कर सकते हैं।
- आसनों में जहां मांसपेशियों को तानने, सिकोड़ने और ऐंठने वाली क्रियायें करनी पड़ती हैं, वहीं दूसरी ओर साथ-साथ तनाव-खिंचाव दूर करने वाली क्रियायें भी होती रहती हैं, जिससे शरीर की थकान मिट जाती है और आसनों से व्यय शक्ति वापिस मिल जाती है। शरीर और मन को तरोताजा करने, उनकी खोई हुई शक्ति की पूर्ति कर देने और आध्यात्मिक लाभ की दृष्टि से भी प्राणायम का अपना अलग महत्त्व है।
- योगासनों से भीतरी ग्रंथियां अपना काम अच्छी तरह कर सकती हैं और युवावस्था बनाए रखने एवं वीर्य रक्षा में सहायक होती है।
- योगासनों द्वारा पेट की भली-भांति सुचारु रूप से सफाई होती है और पाचन अंग पुष्ट होते हैं। पाचन-संस्थान में गड़बड़ियां उत्पन्न नहीं होतीं।
- योगासन मेरुदण्ड-रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाते हैं और व्यय हुई नाड़ी शक्ति की पूर्ति करते हैं।
- योगासन पेशियों को शक्ति प्रदान करते हैं। इससे मोटापा घटता है और दुर्बल-पतला व्यक्ति तंदुरुस्त होता है।
- योगासन स्त्रियों की शरीर रचना के लिए विशेष अनुकूल हैं। वे उनमें सुन्दरता, सम्यक-विकास, सुघड़ता और गति, सौन्दर्य आदि के गुण उत्पन्न करते हैं।
- योगासनों से बुद्धि की वृद्धि होती है और धारणा शक्ति को नई स्फूर्ति एवं

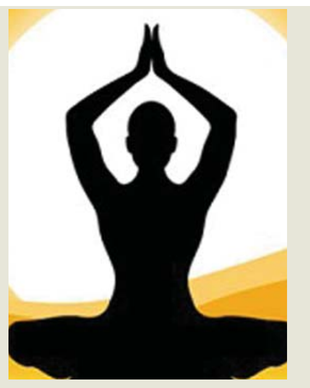

ताजगी मिलती है। ऊपर उठने वाली प्रवृत्तियां जागृत होती हैं और आत्म-सुधार के प्रयत्न बढ़ जाते हैं।
- योगासन स्त्रियों और पुरुषों को संयमी एवं आहार-विहार में मध्यम मार्ग का अनुकरण करने वाला बनाते हैं, अत: मन और शरीर को स्थाई तथा सम्पूर्ण स्वास्थ्य, मिलता है।
- योगासन श्वास- क्रिया का नियमन करते हैं, हृदय और फेफड़ों को बल देते हैं, रक्त को शुद्ध करते हैं और मन में स्थिरता पैदा कर संकल्प शक्ति को बढ़ाते हैं।
- योगासन शारीरिक स्वास्थ्य के लिए वरदान स्वरूप हैं क्योंकि इनमें शरीर के समस्त भागों पर प्रभाव पड़ता है और वह अपने कार्य सुचारु रूप से करते हैं।
- आसन रोग विकारों को नष्ट करते हैं, रक्षा करते हैं, शरीर को निरोग, स्वस्थ एवं बलिष्ठ बनाए रखते हैं।

यह रखें सावधानियां

- योगासन शौच क्रिया एवं स्नान से निवृत्त होने के बाद ही किया जाना चाहिए तथा एक घंटे पश्चात स्नान करें।
- योगासन समतल भूमि पर आसन बिछाकर करना चाहिए एवं ढीले वस्त्र पहनना चाहिए।
- योगासन खुले एवं हवादार कमरे में करना चाहिए, ताकि श्वास के साथ आप स्वतंत्र रूप से शुद्ध वायु ले सकें। अभ्यास आप बाहर भी कर सकते हैं, परन्तु आस-पास वातावरण शुद्ध तथा मौसम सुहावना हो।
- आसन करते समय अनावश्यक जोर न लगाएँ। यद्यपि प्रारम्भ में आप अपनी माँसपेशियों को कड़ी पाएँगे, लेकिन कुछ ही सप्ताह के नियमित अभ्यास से शरीर लचीला हो जाता है। आसनों को आसानी से करें, कठिनाई से नहीं। उनके साथ ज्यादती न करें।
- योगाभ्यासी को सम्यक आहार अर्थात भोजन प्राकृतिक और उतना ही लेना चाहिए जितना की पचने में आसानी हो। वज्रासन को छोड़कर सभी आसन खाली पेट करें।
- आसन के प्रारंभ और अंत में विश्राम करें। आसन विधिपूर्वक ही करें।
- यदि आसन को करने के दौरान किसी अंग में अत्यधिक पीड़ा होती है तो किसी योग चिकित्सक से सलाह लेकर ही आसन करें।
- यदि वातों में वायु, अत्यधिक उष्णता या रक्त अत्यधिक अशुद्ध हो तो सिर के बल किए जाने वाले आसन न किए जाएँ। विषैले तत्व मस्तिष्क में पहुँचकर उसे क्षति न पहुँचा सकें, इसके लिए सावधानी बहुत महत्वपूर्ण है।
- योग प्रारम्भ करने के पूर्व अंग-संचालन करना आवश्यक है। इससे अंगों की जकड़न समाप्त होती है तथा आसनों के लिए शरीर तैयार होता है। अंग-संचालन कैसे किया जाए इसके लिए 'अंग संचालन' देखें।

अंततः आसनों को किसी योग्य योग चिकित्सक की देख-रेख में करें तो ज्यादा अच्छा होगा।

अमृत कण

सहज हुई जिंदगी

मै वुमेन एम्पावरमेंट कॉफ्रेंस मे गई थी। उसमें चक्रधारी दीदी चेअर पर्सन थी। वहां चार दिन कैसे बीते पता ही नहीं चला। इसके बाद इनके कहने से ही मै लाजपतनगर सेंटर पर गई और राजयोग मेडिटेशन करने लगी। परमात्मा शिव ने इतना दिया है कि शब्दों में बया नही कर सकती। अपेक्षाएं बहुत कम हो गई हैं और आशाएं और उमंग-उत्साह बढ़ गया है।

- अलका शर्मा, उपायुक्त दिल्ली

ज्ञान-विज्ञान का संगम

ब्रह्माकुमारीज़ का अंबाला मे लगा आध्यात्मिक मेला ज्ञान व विज्ञान का अद्भुत संगम है। अब तक देखे कार्यक्रमों में यह बेहद प्रेरणादायी व रोमांचकारी कार्यक्रम लगा। इस सात दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा और समाज में सुख-शांति आएगी।

-असीम गोयल, विधायक, अंबाला शहर

विद्या से आता विनय

विद्या से विनय प्राप्त होता है, विनय से विवेक मिलता है और विवेक से पात्रता मिलती है। धन की पात्रता मिलती है, साधन की पात्रता मिलती है। धन या साधन प्राप्त करना ही लक्ष्य नही है। साधन जो मिला है उसका धर्मानुसार बर्ताव करना, व्यवहार करना वही सुख का मुल है, वही सुख का मार्ग है। ऐसी विद्या यहाँ दी जा रही है।

-कैप्टन अभिमन्यु, वित्तमंत्री, हरियाणा सरकार

धैर्य से दूर होगी समस्या

तनावमुक्त और खुशहाल जीवन जीने के साथ-साथ मुस्कुराने की कला यदि सीखनी है तो बीके बहनों से सीखी जा सकती है। व्यक्तिगत स्तर पर यदि चेहरे पर मुस्कुराहट रख सकें, दिमाग ठंडा रख सकें और किसी की बातें सुनने समझने का धैर्य हो तो अनेक समस्याएं अपने आप दूर हो जाती है। मुझे माउण्ट आबू जाने का सौभाग्य मिला है और मैंने गहरी सुख शांति और स्वर्ग सा आनंद अनुभव किया है।

-दिलीप सिंह परिहार, विधायक नीमच

गॉडलीवुड स्टूडियो में उत्तरोत्तर वृद्धि

स्टूडियो एक ऐसा माध्यम है जहॉ से अपनी बातों, सिंद्धात तथा संदेश को दुनिया में पहुंचाने लायक बनाया जा सकता है। यदि गॉडलीवुड स्टूडियो हो तो उसकी बात ही अलग है। सम्भवतः यह दुनिया का पहला स्टूडियो होगा जिसमें सिर्फ आध्यात्मिक चीजों, मनुष्य के तरक्की की सारी बातें बनायी जाती हो। सभी भाषाओं, सभी वर्गों के लोगों को केन्द्रित करते हुए कैसे इनके जीवन में तरक्की और आन्तरिक सशक्तिकरण हो। उसके लिए प्रयास करना आज के युग में काफी सुखद लगता है। यही वजह है कि आज देशभर के स्थानीय चैनलों के साथ राष्ट्रीय चैनलों में मांग बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही पीस ऑफ माइंड चैनल के द्वारा लाखों करोड़ों लोगों तक यह संदेश पहुंच रहा है। यही हमारा भी मकसद था और परमात्मा का भी। अब हमें यह सोचना है कि उन तबकों तक संदेश कैसे पहुंचाया जाये जो मूलभूत सुविधाओं से जुड़े हुए है। क्योंकि जहॉ बिजली, पानी का अभाव है। ऐसे में लोगों का यह जीवन कैसे चलता होगा। इस बीच मूल्यनिष्ठता की बात करना थोड़ी बेमानी साबित हो सकती है। इसलिए हमें इसपर भी विचार करना चाहिए कि इन लोगों तक परमात्मा का संदेश कैसे पहुंचे। इसके लिए निश्चित तौर पर श्रव्य और दृष्य दोनों ही साधनों का प्रयोग हो रहा है। यह काफी कारगर सिद्ध होगा।

- बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, मनमोहिनीवन काम्पलेक्स, शांतिवन, आबू रोड

दादी जानकी जी

सर्वोत्तम ब्राह्मण बनना है तो मर्यादाओं की लकीर के अन्दर रहो

मीठे बाबा का आवाज कानों में गूँजता है तो आवाज से परे जाने को जी चाहता है। इतना अच्छा अनुभव होने लगता है तो जी चाहता है कि संकल्प में भी नहीं आऊँ। क्लास करना, कराना तो बहुत सहज बात है। परन्तु साइलेन्स का बल मेरे पास ऐसा हो जो अनेक अशान्त आत्माओं को शान्ति का वर्सा बाप से दिला सकें।

जब हम अपने को दुनिया से न्यारा-प्यारा देखते हैं तो ऐसा न्यारा और प्यारा बनाने वाला बाबा नजरों के सामने दिखाई देता है। उसकी नजरों ने ही दुनिया से न्यारा और प्यारा बनना सिखाया है। किसी ने कहा कि हमारा दिल कहता है बहुत-बहुत शान्ति में रहूँ। ये अनुभव करूँ। परन्तु यह अनुभव तब कर सकते हैं जब आवाज में रहते हुए भी आवाज से परे रहने के आदि हो जाते हैं। कार्य व्यवहार को छोड़ कर के कहें हम शान्ति का अनुभव करें तो मन शांत नहीं होगा। क्लास छोड़कर के बगीचे में जाकर बैठे तो शान्त नहीं होगा। लेकिन इसके लिए चाहिए लगन, मुझे क्या चाहिए ? जब और कुछ नहीं चाहिए, दुनिया में और सब सम्पति, सुख हैं, लेकिन बाबा के बिना सब फीके हैं, रूखे है, कोई रस नहीं है, कड्डवे हैं, दु:ख देने वाले हैं। सुख अल्पकाल का है, दु:ख बहुतकाल का है। दुनिया के सुखों की इच्छा खत्म हो जाए और दु:ख जो आता है उसको महसूस न करें, वो हमारे पूर्व के हिसाब-किताब से है। अभी श्रेष्ठ कर्म ऐसे करें जिससे हमको सुख का अनुभव हो, खुशी का अनुभव हो। अनुभव अच्छा कैसे बनेगा ? 97 साल शुरू होते ही बाबा ने कहा था अपने अनुभव की शक्ति से सेवा करो। आप लोगों ने बाप से जो पाया है उस अनुभव से औरों को अनुभव कराओ। जो अभी तक कहते हैं, समझता तो हूँ पर करना थोड़ा कठिन है, वो ये कहें अभी मुझे समझ में आ गया कि करना आसान है। बुद्धि तक समझना भाग्यवान का काम है, लेकिन ये न कहें कि करना कठिन है, इसका मतलब ये है कि उसने समय को महत्व नहीं दिया है। अभी यह समय है अपने आप को संभालने का। आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान मिलने से समय की पहचान आ गई, कर्मों की गुह्य गति का ज्ञान मिलने से पता चला कि विकर्मों का बोझा बहुत चढ़ा हुआ है। अभी उसको खत्म करना है। अभी कोई विकर्म मुझ आत्मा से न हो। कर्म श्रेष्ठ ऐसा हो, पुण्य कर्म इतने ढेर हों जो अनेक पापों को खत्म करें, और शान्ति में रहने का इतना अभ्यास हो जो कुछ भी हो जाए तो सेकण्ड में शान्त हो जाएं, जिससे शक्ति पैदा हो। बाबा ने आत्म-अभिमानी स्थिति को जमाने के लिए समझ दी है, जिससे बाबा के साथ सब संबंध जोड़ सकते हैं। हमारी यह आखें सिर्फ इधर-उधर देखने के लिए नहीं हैं, योगी की आखें स्थिर रहने में शोभती हैं। परमात्म प्यार में खोई हुई रहें। नैनों में बाबा की याद समाई हुई हो, नयन इसके लिए हैं। नयनों द्वारा प्राप्ति भी है तो नयनों से नुकसान भी है। लोग कहते हैं आप नयन खुले रख कर याद में कैसे रहते हो! तो हम कहते हैं आप बन्द नयन में कैसे याद करते हो। बाबा ने पहले ही भक्ति और ज्ञान का कन्ट्रास्ट समझाया है। भक्ति में समझते हैं नयन बन्द करके प्रभू का ध्यान करना है, ज्ञान कहता है नयन खुले हों परन्तु बाप का ध्यान हो,बाप जो सुनाते हैं, वह ध्यान में रहे। क्योंकि बाबा हमको कर्म योगी, सहज योगी, निरन्तर योगी, राजयोगी बनाता है। कर्म भी कितने अच्छे कर्म हैं,यही करने का तो हमको भाग्य मिला है। इसको छोड़ कर तो हम याद नहीं कर सकते हैं।

यहीं कैलाश, यहीं बैकुंठ

याद में रहने के लिए ही यह कर्म हैं। ईश्वरीय परिवार में, इतने बड़े संगठन में साथ रहने के लिए यह भाग्य मिला है। इतना अच्छा वातावरण हमको योगी बनने में मदद करता है, इसको छोड़कर कहाँ जाएँ। सन्यासियों ने कहा यही कैलाश पर्वत है, यही बैकुण्ठ है। यहाँ सब धर्म वाले एक होकर बैठे हैं। सारी दुनिया में एक फैमिली, दो भाई इकट्ठे नहीं रह सकते हैं, धन्धा व्यापार नहीं कर सकते हैं। ये बाबा की कमाल है जो हम अनेकों को एक बना रहा है। अनेक रंग, अनेक जाति, अनेक भाषा होते हुए भी सबकी भावना एक ही है, मैं भगवान का बच्चा होकर के रहूँ, उनसे सुख-शान्ति का अनुभव करके औरों को कराऊं। और यही श्रेष्ठ भावना सदा के लिए मन में चाहिए। अनुभव कहता है कि अपना टाइम सफल करते रहें, तो कमाई बहुत है। भगवान ने हम बच्चों से और सब हॉबी छुड़ाकर एक हॉबी डाली है-समय सफल करो। संगमयुग धर्माऊ युग है, पुण्य आत्मा, महान आत्मा बनने का युग है। समझ आ गई है-यही घड़ी है-मुझ आत्मा को धर्मात्मा, महान आत्मा, पुण्य आत्मा बनना है। हर सेकेण्ड में हमको महान बनने के लिए, ऊँची मंजिल पर पहुँचने के लिए समय को सफल करना है, बाबा ऊपर खींच रहा है। यहाँ निमित मात्र हैं। यह नहीं कहते कि निमित मात्र घर में जाना है, नहीं। निमित मात्र बाकी काम करना है, निमित मात्र सबके सम्बन्ध में आना है। बाकी घर में रहना है। यहाँ किसी को भी अपना नहीं समझना है।......................क्रमश:

मुरलियों में हैं मन की बात

मन में जो सवाल उठता है उसका उत्तर बाबा की मुरलियों में होता है, लेकिन कोई मुरली से जवाब लेवे। मैं आत्मा हूं, देह तो हूं, भी नहीं फिर भी देही-अभिमानी रहने में मुश्किल क्यों है ? देह-अभिमान को छोड़ा नहीं है। देह-अभिमान वश ही गुस्सा आता है, हैरान होते हैं, अगर देही-अभिमानी स्थिति में रहो, अन्तर्मुखी, एकान्त प्रिय रहो। बहुत बोलने, सोचने से परे रहना अच्छा लगे। सुनना वही जो मेरे मीठे बाबा की आवाज है, बाकी कहानियाँ ये वो आदि कोई बड़ी बात नहीं है। जिसको कहा जाता है कर्मेन्द्रियाँ अपने कन्ट्रोल में हों। जब कन्ट्रोलिंग पावर है तो अपने ऊपर ही राज्य करने का अधिकार है। दूसरे पर तो नहीं कर सकते हैं ना। बाबा ने हमारी रक्षा के लिए मर्यादाओं की इतनी अच्छी जाल बिछा कर दी है, इस के अन्दर रहो। बहुत अच्छी मर्यादायें हैं, ब्राह्मण कुल में श्रेष्ठ ब्राह्मण बनना है, सर्वोश्रम ब्राह्मणा बनना है तो मर्यादाओं में रहो। रहने वाले को मर्यादा में रहना अच्छा लगता है। और सर्व का गुण उठाना, दूसरे की विशेषता को जानना, एक सतोगुणी नेचर बनाना अच्छा लगता है। हमारी आखें इतनी अच्छी तेज हों जो केवल गुण ही दिखाई दें, विशेषता जल्दी पता पड़े। हर आत्मा की विशेषता को देंखे, इसका पार्ट बहुत अच्छा है, मेरा खराब है-यह भेंट करने की जरूरत नहीं है। एक का न मिले दूसरे से। हर एक का पार्ट अपना है जब यह जानते हैं फिर हम एक-दूसरे को देख कर हर्षित क्यों नहीं रहते ! जिस का पार्ट अच्छा लगता है उसको देख हर्षित होते हैं, जिसका नहीं अच्छा लगता है तो चेहरा बिगड़ जाता है। तो इसको क्या कहा जाए ? योगी ? वो अनुभव औरों को क्या प्रेरणा देगा ! पता है एक आत्मा का पार्ट दूसरे से नहीं मिलता है फिर मुझ आत्मा के चेहरे पर फ़र्क क्यों पड़ता है ? क्योंकि समझ को अमल में नहीं लाते हैं। समझ उल्टी चला लेते हैं कि देखो इनका इस से अच्छा पार्ट है, इनको बड़ी मदद है, इन्हें सब का अच्छा सहयोग है। इसे किसका भी सहयोग नहीं है। हम इस चक्कर में चले गये हैं। सूक्ष्म स्व-चिंतन और शुभ-भावना से देखो तो सब अच्छा दिखाई पड़ता है। अगर मेरी भावना औरों के लिए अच्छी होती है तो औरों की फिर मेरे लिए अच्छी होती है। यह भी एक वन्डर है। तो अन्दर की जो भावना है, फीलिंग है, वो ज्ञानयुक्त हो। ज्ञान है आत्म-अभिमानी रहने के लिए, उस स्थिति में रह कर सब को देखो। उसके लिए कोई टाइम चाहिए तो लगाओ, तो अन्त मति सो गति हो जाए।

हम खुद से हमेशा कहें - 'जब भी-जैसा भी होगा, तब भी मुझे खुशी होगी'

शारीरिक सुख भावनात्मक सुख से भिन्न होता है

मनुष्य हर तरह से सुख प्राप्त करना चाहता है। चाहे वह शारीरिक, भावनात्मक हो या आन्तरिक सुख। वास्तव में तो आन्तरिक सुख मनुष्य के जीवन में सर्वोच्च सुख माना जाता है। परन्तु इसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य को व्यक्तिगत स्तर पर लगातार प्रयास करने की जरूरत है। इसी के बारे में गहरायी से प्रकाश डाल रही है जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी।

सुरेश ओबेरॉय : कोई व्यक्ति इस एहसास को पाने के लिए क्या कर सकता हैं?

सिस्टर शिवानी : अगर कोई व्यक्ति इस एहसास को पाना चाहे, तो उसे समझना होगा कि शारीरिक सुख, भावात्मक सुख से अलग मायने रखता है। हम अपने अंदरूनी आराम या सुख को महसूस नहीं कर पा रहे - वह आंतरिक स्थिरता, जिसे हम प्रसन्नता कहते हैं, परंतु हमें लगा कि अगर हम शारीरिक रूप से आरामदेह महसूस करेंगे, तो इसका अर्थ होगा कि हम प्रसन्न ही थे। आजकल हम खुशी को भी खरीदने लगे हैं, अगर मैं यह ले लूंगा तो बहुत खुशी होगी, वह ले लूँगा तो बहुत खुशी मिलेगी.... यह सूची कभी समाप्त ही नहीं होती, इसका मतलब यह नहीं कि हमें वे वस्तुएँ खरीदनी ही नहीं चाहिए, बस केवल इतना करें कि उन्हें अपनी प्रसन्नता के साथ न जोड़ें। हम प्राय: कोई वस्तु इसलिए खरीदते हैं क्योंकि वह हमारे लिए उपयोगी या आरामदेह होती है। पर क्या यह प्रसन्नता है नहीं।

हमें यह जानना है कि हम किसी वस्तु को क्यों खरीद रहे है और हम अपने मन से यह कहें कि जब हम यह खरीदेंगे तो हमें खुशी मिलेगी। अगर हम भौतिक वस्तुओं के साथ अपनी प्रसन्नता को जोड़ते हैं, तो हम अपनी प्रसन्नता को स्थगित करते हुए, उसके साथ एक शर्त जोड़ देते हैं। मान लेते हैं कि हम एक नया घर बना रहे हैं, हम अपने - आप से कहते हैं कि जब यह घर बन जाएगा और हम उसमें रहने आ जाएँगे तो हमें बहुत खुशी मिलेगी। इसका मतलब होगा कि इस काम में एक या दो साल भी लग सकते हैं।

तो, इस तरह हमने अपनी खुशी को आने वाले समय के लिए स्थगित कर दिया है। एक बच्चे के बारे में सोचें- हम बच्चे को स्कूल में देखकर कहते हैं कि बचपन तो जीवन का सबसे बेहतर चरण है। परंतु बच्चा अपने आस-पास के बड़े लोगों को देखकर मन में सोचता है कि बड़े लोग कितने किस्मत वाले हैं, उन्हें न तो होमवर्क करना पड़ता है और न ही कोई परीक्षा देनी होती होती है। वह उनके स्थान पर आना चाहता है। बच्चा स्कूल से बाहर आने के लिए आतुर है ताकि प्रसन्नता अर्जित कर सके। उसे लगता है कि जब वह कॉलेज में प्रवेश करेगा, तो उसे बहुत खुशी मिलेगी। फिर वह कॉलेज में जाता है, तो उसकी सोच में बदलाव आ जाता है। उसे लगने लगता है कि उसे असली खुशी तो तभी मिलेगी, जब उसके पास एक अच्छी नौकरी होगी, उसका विवाह हो जाएगा और उसका एक परिवार होगी। पर जल्दी ही उसे लगने लगता है कि उसे तो खुशी जभी मिल सकेगी, जब उसके बच्चे बड़े होकर, जीवन में अपने लिए बेहतर जगह बना लेंगें और सब कुछ ठीक हो जाएगा। अब उसके मन में क्या आता है? उसे लगता है कि खुशी तो रिटायरमेंट होने के बाद ही मिल सकेगी। तो वह सही मायनों में प्रसन्न कब होगी ? वह जीवन के अलग-अलग चरणों में अपनी प्रसन्नता को स्थगित करता आ रहा है। हम एक गहरे दुष्चक्र में उलझे हैं। जहाँ हम स्वयं से कहते हैं : जब ऐसा होगा, तब मुझे बहुत खुशी होगी।

सुरेश ओबेरॉय: कितने अफसोस की बात है।

सिस्टर शिवानी: हम अपने आस-पास बहुत से अमीर लोगों को देखते हैं: उनके पास अपने हेलीकॉप्टर हैं, प्राइवेट प्लेन हैं और निजी नौकाएँ हैं। वे अब भी एक से दुसरे मंदिर और एक से दुसरे गुरू के पास भटकते रहते हैं।। आखिरकार, वे चाहते क्या हैं? इस तलाश का अंत कैसे किया जाए? यह समझना होगा कि खुशी और साधन अलग चीज है और दुसरा यह समझना होगा कि यह हमारी आंतरिक रचना है और हम किसी भी दुसरी चीज के बिना अपने आप रच सकते हैं।

सुरेश ओबेरॉय: परंतु क्या आपको नहीं लगता कि अगर आभुषणों का सेट न हो तो सकारात्मक विचार पैदा ही नहीं किया जा सकता?

सिस्टर शिवानी : इसका मतलब हमें प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के लिए वस्तु की आवश्यकता है। यह वस्तु कुछ भी हो सकती है, जैसे आभूषणों का सेट। आप उस वस्तु को देखते हैं और अपने मन में उस सोच को स्थान देते हैं। जब हमें वह वस्तु मिल जाती है, तो हमारी स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है, मुझे अभी-अभी जो गहना मिला, यह तो वाकई बहुत सुंदर है। इस सोच को किसने जन्म दिया?

सुरेश ओबेरॉय: दरअसल इस सवाल का जवाब देना थोड़ा कठिन है। वह विचार मैंने पैदा किया या वह उस वस्तु के कारण पैदा हुआ ? **क्रमशः**

दादा के जीवन था में अनन्य भक्ति-भाव और संयम-नियम

रियल लाइफ

उनके सम्पर्क में आने वाले राजाओं का उनमें इतना विश्वास था कि उन्होंने दादा को खुली छुट्टी दे रखी थी कि वे कभी भी राजमहल में सीधे अन्दर आ सकते थे, उन्हें सेक्रेटरी आदि को सूचना देने की या पहले राजा की आज्ञा लेने की आवश्यकता नहीं थी। दूसरे व्यापारी अपना सामान सेक्रेटरी को ही आकर देते थे परन्तु जहाँ तक दादा की बात थी, उन्हें राजमहलों में राजमाता अन्दर ही अपनी बहू-बेटियों को हीरे - जवाहर दिखाने या देने के लिए निस्संकोच बुली लेती और कहतीं - लखीराम, इस बेटी को यह जेवर दिखाओं। राजमहलों के वासी दादा की धर्म-निष्ठा और उनके स्वभाव तथा व्यवहार से परिचित हो गये थे। कई बार राजा लोग उन्हें कहते-लखीराम बाबू, भगवान से तो भूल हो गई कि हमको तो राजा बनाया परन्तु आपको नही की थी क्योंकि वे गुण तो आप में हैं। परन्तु वास्तव में भगवान ने भूल नहीं की थी क्योंकि वे राजे तो एक ताज वाले राजा थे जबकि भगवान ने दादा को दो ताज, प्रभा मण्डल तथा स्वर्ण मुकुट वाला दैवी राजा बनने का पुरूषार्थ कराया। लोग उन्हें इतना सम्मान देते थे कि वे दादा को विशेष निमंत्रण भेजते थे और दादा के पधारने पर उनको विशेष स्थान-मान देते तथा उनका आतिथ्य करते थे। एक बार हम लोग उदयपुर के महाराज के निमंत्रण पर उनके राजमहल में ठहरे हुए थे। राजा ने देखा कि दादा अकेले बैठे हैं, उनकी युगल पत्नी और उनके परिवार के अन्य सदस्य साथ नहीं बैठे हैं दादा की युगल जसोदा का यह विचार था कि पहले हम श्रीनाथ द्वार में दर्शन करने जायेंगे, इसलिये वह गैलरी में नहीं आयीं थी, न ही हम आये थे राजा ने दरबार शुरू नहीं होने दिया और वजीर को विशेष तौर पर दादा के परिवार को आमंत्रित करने कि लिए भेजा। जब हम आये तब राजा ने स्वागत किया, बैंड बाजे बजे और तब दरबार चालू हुआ। तब राजा ने वजीर को प्रोग्राम दिया कि इनको श्रीनाथ द्वारे ले जाने की व्यवस्था हो। रास्ते में हमें ड्राइवर ने बताया कि राजा ने आपकी खास मेहमान-निवाजी की है,

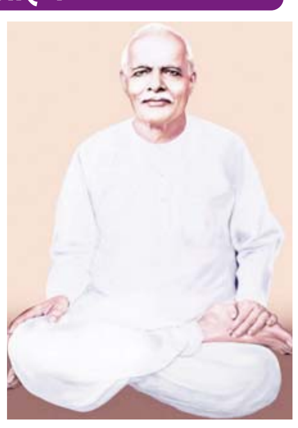

वरर्ना इस प्रकार दरबार कभी नहीं रूका।

औपचारिक रीति से दादा ने कोई बहुत शिक्षा प्राप्त नहीं की थी परन्तु अभ्यास से उन्हें सिन्धी का अच्छा ज्ञान था, वे हिन्दी के धर्म-ग्रन्थों का सहज ही अध्ययन कर लेते थे, वे गुरूमुखी में ग्रन्थ साहिब अच्छी तरह समझ लेते थे और अंग्रेजी के समाचार-पत्रों को पढ़ा करते थे । उन्हें पत्र लिखने में विशेष कुशलता प्राप्त थी और अच्छे साहित्य एवं कला की उन्हें पहचान थी। अपने व्यापारिक जीवन में भी वे अपनी ही सूझ से जेवरों के नये-नये डिजाइन बनाते थे। इस कार्य में किसी की नकल नहीं करते थे।

दादा बाल्यकाल से ही श्रीनारायण के अनन्य भक्त थे। श्रीनारायण की स्मृति उन्हें इतनी प्रिय थी कि वे अपने पूजा-पाठ के कक्ष के अतिरिक्त श्रीनारायण का चित्र अपने शयनागार में और अपने तकिये के नीचे भी रखते थे। उनकी तिजोरी और जेब में भी श्रीनारायण का चित्र रखा रहता था ताकि दिन-भर जहाँ भी वे देखें या जहाँ भी उनका हाथ पड़े वहाँ ही श्रीनारायण उनके सामने आ जायें। बाजार में श्रीनारायण के जो छपे हुए चित्र प्राय: मिलते थे, उनमें श्रीनारायण को लेटे हुए और श्रीलक्ष्मी को उनके चरणों की दासी के तौर पर पाँव दबाते हुए चित्रित किया हुआ होता है। दादा को ये चित्र पसंद न थे क्योंकि वे इस चित्र को ऐसे समाज का प्रतीक मानते थे जिसमें स्त्री को गौण, दासी-जैसा अथवा तिरस्कार-युक्त स्थान दिया जाता है।

कभी भी नित्यपाठ से नहीं चूकते थे दादा

दादा स्त्री के स्थान को पुरूषों के स्थान से गौण नहीं मानते थे। इसलिये वे चित्रकार से ऐसा चित्र बनवा लेते थे जिसमें कि लक्ष्मी का दासी-भाव अंकित न हो। दादा का भक्ति -भाव इतना परिपक्व था कि व्यापार या घर की कैसी भी परिस्थिति हो, वे एक दिन भी भक्ति और पाठ के नित्य नियम से नहीं चूकते थे। चाहे वे रेल यात्रा कर रहें हों तो भी वे श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ अवश्य करते थे क्योंकि गीता में उनकी अनन्य श्रद्धा थी। दादा की श्रद्धा भक्ति के बारे में ब्रह्माकुमारी बृजइन्द्रा जी ने लिखा है कि-जिन राजा -महाराजाओं तथा धनाढय व्यक्तियों के साथ दादा का हीरे-जवाहरात का व्यापार था, वे कई बार उनके यहाँ अतिथि बनकर आते और उनकी गाड़ी के पहुँचने का समय कई बार वही होता था। परन्तु फिर भी दादा भक्ति और पाठ को नहीं छोड़ते थे। दादा द्वारा दिये भोज में सिगरेट, शराब आदि की गंध भी नहीं होती थी। दादा द्वारा दिये गए भोज में सम्मिलित होने वाले राजा तथा रईस लोग कई बार सिगरेट, शराब आदि को न पाकर विनोदपूर्ण लहजे में कहते-दादा, पार्टी फीकी रही। परन्तु दादा मुस्कराते हुए उत्तर देते - आपके लिए हम अपना धर्म थोड़े ही भ्रष्ट करेंगे। आप तो हमें कागज के नोट देते हैं परन्तु हम तो उनके बदले में आपको हीरे देते हैं। ये सुनकर वे लोग हँस पड़ते । दादा को अमरनाथ, हरिद्वर, प्रयाग, वृन्दावन, काशी आदि की यात्रा में विशेष रूचि थी और साधु-सन्यासियों को अपने यहाँ ठहराने में उन्हें बहुत खुशी होती थी। अपने लौकिक गुरू में उनकी बड़ी श्रद्धा थी और उनके स्वागत, सत्संग तथा आतिथ्य पर वे हजारों रूपये खर्च कर देते थे। क्रमशः...वे

क्या हम जैसा सोचते है वैसा ही होने लगता हैं?

समस्या-समाधान

राजा ने अपने मंत्री से पूछा कि प्रजा हमारे बारे में क्या सोचती है? मंत्री ने कहा की महराज ये बात प्रजा ही अच्छी तरह से बता सकती है। दोनो ने भेष बदला और निकल गये। राज्य में अंधेरा हो गया था, एक लकड़हारा देख, मंत्री से कहा 'पूछो ये मेरे बारे क्या सोचता है। राजा ने मन में सोचा लकड़हारा तो चोर होगा। इसके बाद मंत्री ने पूछा तो लकड़हारे ने कहा, हमारे राजा अच्छे व्यक्ति नहीं हैं। अच्छा बुरा बोलते हुए निकल गया। तब राजा को विश्वास हुआ कि प्रजा हमारे बारे में ऐसा सोचती है। इसे बाद एक बुढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया। मंत्री उससे बोला, महराज की मृत्यु हो गई है। ऐसा सुन वृद्ध दहाड़े मारकर रोने लगा। कहा कितने अच्छे राजा। अब राजा को अपने प्रश्न का उत्तर मिल गया था। जैसे दूसरो के लिए सोचते हैं, कहीं-कहीं वो विचार हृदय तक पहुंच जाते हैं। तो फिर क्यों न अपने विचारों को, बोल को, कर्म को सब के लिए शुभ रखें तो हमें भी शुभ-शुभ प्राप्त होता है।

प्रश्न: बचपन से सुनते आये है जैसा सोचोगें वैसा ही पाओगे। क्या हम जैसा सोचते है वैसा ही होने लगते है?

उत्तर: राजा की कहानी से कई बार बहुत बातें अच्छी तरह सीखने को मिलती है। कई लोग इस बात से परेशान रहते है कि लोग मेरे बारे में क्या कहेगें। क्या सोचते होगें, ये लोग मेरे बारे में ऐसा सोचते होगें। अच्छे सफल व्यक्ति अच्छे ईमानदार व्यक्ति ऐसा सोच-सोच कर समय को नष्ट करते रहते है परंतु बहुत सुन्दर संदेश है इस राजा की कहानी से हम सबके लिए अच्छा सोचने लगें सब भी हमारे लिए अच्छा सोचेगें तो मैं एक सुन्दर सी छोटी सी राय दूँगा। कि अपने मन में छोटा सा संकल्प रोज सवेरे कर लिया करें सभी मेरे गुड फ्रेन्ड है मैं सब को बहुत प्यार करता हूँ सब भी मुझे बहुत प्यार करते है, सब मेरे सहयोगी है, सब का कल्याण हो, सब बहुत अच्छे है, सब भगवान के बच्चे गुणवाण हैं, बस ऐसा सोचेगें तो दूसरो का सोच कुछ गड़बड़ भी है तो ठीक हो जायेगा।

प्रश्न: आध्यात्म में कुछ ऐसा किसी के लिए बहुत दूर भावना थी, बदले कि भावना थी, और किसी ने कुछ ऐसा छोटा सा प्रयोग किया और पुरी तरह बदल गई?

उत्तर: बिल्कुल रोज आते है ये अनुभव पति पत्नियों के है मैं ऐसा कह सकता हूँ कि हर सप्ताह में एक अनुभव होता है मैं जहां भी जाता हूँ। दो चार बहनें अपना ये अनुभव सुनातीं हैं हमारा पति ऐसा था, वैसा था, हमें तंग करता था, बुरा बोलता था, हमने ये अभ्यास किये जो हमने अभी बताये और ठीक हो गये, बच्चे भी ठीक हो गये बात यही थी कि अब पति बुरा बोलता था तो ये सोचती थी कि ये कैसा खराब व्यक्ति है सब निगेटिव फिलिंग उसको जा रही थी तो उसका निगेटिव प्रभाव इनको आ रहा था और जैसे इन्होंने अपनी सोच बदली दूसरों का बदलाव अपने आप हो गया तो सच है हमारे संकल्प दूसरों से टकरा कर उनके संक्लपों को भी ठीक कर देते है और वापिस आते है हमारे पास यही तो अध्यात्मिक माना अपने विचारो को पोजिटीव बनाना ।

प्रश्न: बाबा ये कहते है भले ज्ञान हो फिर भी आप में युक्ति नहीं है तो आपमें दो पैसे का भी ज्ञान नहीं है तो ये युक्ति का मतलब क्या और कैसे हम अपने जीवन में लाये?

उत्तर: युक्ति का अर्थ है तरीका, युक्ति से मुक्ति किसी बड़ी समस्या से तत्काल हम मुक्त हो सकते हैं। अगर हम विधि अपना ले विधि मतलब किसी तरह से अपनी विधि अपना लेना चाहे वो व्यावहारी हो, चाहे वो कारोबार में हो विधि से काम करते है और एक अच्छे ढंग से काम करते है तो इसमें हर जगह सफल होते है इसमें वो युक्ति को चालाकी मान लेते है लोग तो यही सोचते कि चालाकी तो आध्यात्मिकता के विरूद्ध है। परन्तु ये चालाकी नहीं एक तरीका है समस्या से निकलने का। मान लो किसी बहन का कोई पति है और वो उसे भक्ति करने से रोकता है जाने ही नहीं देता मंदिर में तुम्हें नहीं जाना है ये सब ढ़कोशला है बेकार है खाने कमाने की अनेक बातें उसे कहता है और परेशान करता है। अब पत्नि ने युक्ति निकाली कि मैं रोज बाजार से ताजी सब्जी लेकर आया करूँगी । और जब ये बाजार जातीं है तो रास्ते में दस मिनिट मन्दिर में भी हो आती है। तो इसे युक्ति कहेगें ना की चालाकी। अगर ये युक्ति नहीं जानतीं तो घर में रोज क्लेश होता। इसलिए बाबा विधि पर हमारा बार-बार ध्यान खींचवाते है।

यह चर्चा गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा पीस ऑफ माइंड चैनल पर चलाये जा रहे समाधान एपिसोड से है। लोगों की मांग पर यह प्रकाशित किया जा रहा है। राजयोगी बीके सूरज एक वरिष्ठ राजयोगी है जिससे हजारों लाखों लोगों की जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

पत्र व्यवहार का पता : समस्या समाधान, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन आबू रोड, राजस्थान, जिला सिरोही फोन : 9414172596 shivamantran@bkivv.org

---

संतुलित दिनचर्या से स्वस्थ जीवन

चूँकि हमारे पेट में आंते और अन्य पाचन के अंग तब भी काम करते है जब हमे भूख लगती है और हम समय पर कुछ नहीं खा पाते और क्योंकि भोजन पचाने के लिए हमारे पेट में कई तरह के अम्ल बनते है इसी वजह से लम्बे समय तक भूखे रहने से पेट में कब्ज बढ़ जाती है और हम पेट की गैस के शिकार हो जाते है । गैस पैदा करने वाले भोज्य पदार्थो का सेवन जैसे राजमा ,सफेद चने ,फूल गोभी भारी दालें और देर से पचने वाले भोजन को खाने से भी पेट की परेशानियो से हमें दो चार होना पड़ता है । हम जब भी खाना खाते है तो ध्यान रखने की जरुरत है कि कुछ भी ऐसा नहीं खाएं जो भोजन की प्रकृति के अनुसार बेमेल हो जैसे कि खाने के बाद तरबूज का सेवन हमारे पेट में गैस बनाता है इसलिए इस तरह के बेमेल खाद्य पदार्थो के सेवन से जितना हो सके बचें । जल्दी-जल्दी और बिना चबा कर किया गया भोजन भी पेट में गैस पैदा करता है ।

गैस के उपचार :- इसमें दो तरह से हम राहत के उपायों के बारे में सोच सकते है जिसमे से एक तो तुरंत राहत देने वाला होता है और दूसरा है

पेट में गैस बनने के कारण :- चाय और कॉफी, यह हमारी पेट में गैस बनने की समस्या का मूल कारण है क्योंकि चाय और कॉफी का सेवन अगर संतुलित हो तो इतनी परेशानी नहीं होती है लेकिन आज के खानपान के अनुसार डिर्पेशन अधिक होने पर हम काफी दबाव महसूस करते है और खुद को अधिक देर तक तरोताजा बनाये रखने के लिए हम अक्सर चाय और कॉफी का अधिक सेवन करते है कभी कभी हम यह देर रात तक जागने के लिए भी करते है । चूँकि कॉफी अम्लीय होती है इसलिए यह हमारे पेट में गैस की समस्या को बढ़ा देती है । अतः इससे बचना चाहिए।

तुरन्त उपचार :- अदरक का एक छोटा सा टुकड़ा दातों से अच्छे से चबाये और उसके बाद गर्म पानी का एक ग्लास पियें या इसके अलावा आप अदरक को पानी में उबाल कर भी पी सकते है ।

मेथी के बीज : पानी और मेथी के बीजो से तैयार काढ़ा आपके पेट की गैस की तकलीफ को काफी हद तक कम कर सकता है इसलिए इसका इस्तेमाल भी आप कर सकते है ।

काला नमक: गर्म पानी में थोड़ी मात्रा में काले नमक को मिलाकर आप अपनी पेट की तकलीफ से आराम पा सकते है ।

दीघकालीन उपाय :

लम्बे समय तक भूखे नहीं रहे - आयुर्वेद के किसी विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार त्रिफला चूर्ण के साथ एलोवेरा का जूस पीने से भी लाभ मिलता है । शारीरिक तौर पर एक्टिव रहें और व्यायाम करते रहें । सुबह की शुरुआत अच्छे से करें और अपनी दिनचर्या को बेहतर करें । तनाव को खुद पर हावी नहीं होने दें।

गैस से होने वाली बीमारियां : एसिडिटी, सिरदर्द, जी मिचलाना, बेचैन्री कब्ज्र पेटदर्द्र बवासीर्र पेट बढ़ना (तोंद) दिमागी कमजोरी होना, किसी भी काम में मन नहीं लगना आदि।

गैस बनने की बीमारी के कारण हो सकते हे - मसालेदार और गैस पर पका खाना खाने से, अनियमित खान पान, अधिक तनाव, बैक्टीरियल संक्रमण, अत्यधिक शराब पीना आदि।

सस्ता घरेलू तरीका :- छाछ के एक कप में एक चम्मच कैरम बीज और काला नमक के साथ मिलाएं। आप कैरम बीज की जगह अजवाइन के बीज का उपयोग कर सकते हैं। आधा चम्मच सौंठ के चूरन में चुटकी भर हींग और सेंधा नमक को हल्के गुनगुने पानी में मिला कर लेने से गैस की समस्या से आराम मिलता है। **बेकिंग सोडा और नींबू** गैस के लिए एक पारंपरिक घरेलू इलाज के लिए नींबू और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल होता है। पानी में बेकिंग सोडा की एक छोटी राशि डालकर पी सकते हैं। .... क्रमशः

स्वर्ण की चाह

किसी जंगल मे एक स्वर्ण शिला पड़ी हुई थी। दो घुड़सवार वहाँ आ पहुँचे !चूँकि दोनों एक ही समय पर पहुँचे थे, इसलिए दोनों ने स्वर्णशिला पर अपना ..अपना अधिकार जताया पहले वाक् युद्ध.हुआ और अंततः तलवारे खिंच गई क्षणभर पहले तक एक .दुसरे को जानते तक न थे ! पर स्वर्णशिला के लोभ ने दोनों को एक दुसरे का दुश्मन बना दिया। थोड़ी देर में तलवारे एक -दुसरे के आर...पार हो गई। दोनों नौजवान वहीं ढेर हो गये कुछ समय बाद उसी राह एक महात्मा आए। वह भी स्वर्णशिला देखकर चमाकृत हो गये। भुल गये कि वह त्यागी ...तपस्वी है स्वर्ण की चमक में उन्हें नौजवानो के शव भी दिखाई न दिए। वे युक्ति लड़ाने लगे कि कैसे उस शिला को अपने झोपड़े में पहुंचाए! तभी वहा छः चोर आ गये! महात्मा ने चोरों से कहा कि आप इस शिला को मेरे झोपड़े तक पहुंचा दें तो मैं आपको खुब धन दुंगा। चोर हँसे और बोले, हम आपको ही ऊपर पहुंचा देते है फ़िर सब धन हमारा ही होगा। चोरों ने ऐसा ही किया। चोरों ने यह निर्णय किया कि वे इस शिला को छः खंड करके बांट लेगें पर समस्या थी कि शिला के छह खंड करे कैसे? अंत में एक सुनार के पास पहुचे! चोरों की बात सुनकर सुनार को भी लोभ आ गया। वह पुरी शिला को लेना चाहता था ! उसने चलने के पहले छः लड्डु तैयार किए और उसमें विष मिला दिया। उसके बाद उन लड्डुओं को साथ ले वह चोरों के साथ जंगल में पहुंचा। उसने कहा भाई पहले कुछ खा लो बाद में काम करेगें चोरो ने कहा पहले काम हो जाए! आखिर मे सुनार ने स्वर्ण..शिला के छः खंड कर दिए छः चोरों ने एक...एक स्वर्ण खंड ले लिया सुनार ने परिश्रमिक मांगा तो चोरो ने उसका वध कर दिया। फ़िर चोरो ने सोचा, प्रस्थान के पहले कुछ खा लिया जाए उन्होंने सुनार द्वारा लाए हुए लड्डु खाए! लड्डु खाते ही उनकी वही दशा हुई जो पहले युवको, महात्मा और सुनार की हुई थी ! जहा लोभ पैदा होता है ,वह विनाश जगा देता है। ये तो सिर्फ कहानी मात्र है। परमात्मा ने आध्यात्मिकता का ज्ञान बारीकी से इन्सान को दिया है। अतः हमें उस आध्यात्म पथ का अनुसरण कर आगे बढ़ना चाहिए। अगर किसी वस्तु, व्यक्ति या साधन से यह यात्रा बाधित हो रही है तो यह स्वर्ण शिला का ही अन्य रूप है।

मछली और मक्खी

संत राबिया अपनी कुटिया में कुछ संतो के साथ आध्यात्म चर्चा में मशगुल थी। एक संत का कहना था कि आध्यात्म के लिए जरूरी नहीं है कि संगीत का सहारा ही लिया जाए ,जबकि राबिया का मानना था कि ऊपर वाले को याद करने के लिए यह जरूरी न सही लेकिन यह बेहतर तरीका है। बहस चल रही थी कि संत हसन बसरी आ पहुंचे और बोले आप लोग इस बंद जगह पर क्यों बैठे है। चलिए हम तालाब के किनारे बैठकर इस बात पर चर्चा करते है। दरअसल उन्हें पानी पर चलने की सिद्दि प्राप्त थी वे उसके प्रर्दशन के लिए उतावले थे। राबिया को हवा में उड़ने की सिद्दि थी वह उनका इरादा भांप गई बोली हम हवा मे उड़ते -उड़ते बातें करे तो कैसा होगा? हसन को समझ में आ गया कि राबिया उस पर कटाक्ष कर रही है। अपनी पोल खुलते देख वह चुप रह गये। राबिया ने समझाया तुम जो कर सकते हो वो एक मछली भी कर सकती है और जो मैं कर सकती हुं वो एक मक्खी भी कर सकती है मगर उस चमत्कार से कोई बड़ी चीज है जिसे हमे विनम्रता से खोजना चाहिए। हमें अपनी शक्ति का प्रर्दशन नहीं बल्कि उसका लोक हित में प्रयोग करना चाहिए। यही बात हमारे दैनिक जीवन से सम्बध रखती है। अगर हम अपने सामर्थ्य का एक-दूसरे के हित में प्रयोग करें तो ये जीवन आनन्दमय हो जाएगा।

आवश्यक सूचना

यह समाचार पत्र कैसा लगा इसके बारे में अपनी प्रतिक्रिया या सुझाव जरूर दें जिससे हम और बेहतर बना सकें।

फोन: 9414172596, 9413384884 ई-मेल: bkkomal@gmail.com

खेल प्रभाग का अखिल भारतीय सम्मेलन : खेल प्रतिनिधि सम्मेलन में द्रोणाचार्य अवार्ड प्राप्त फोगाट के विचार

अगले ओलम्पिक में दो तीन गोल्ड लेकर आऊंगा

शिव आमंत्रण ■ माउंट आबू

कुछ वर्षों में लगातार खेलों के प्रति लोगों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रुझान बढ़ा है। परन्तु प्रतिस्पर्धा में लगातार सफलता मिले और असफलता में भी स्थिति समान रहे इसे लेकर ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के ज्ञान सरोवर में खेल जगत से जुड़े लोगों के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के खेल प्रभाग द्वारा अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। ज्ञान सरोवर एकेडेमी में खेल प्रतिनिधियों के लिए आयोजित सम्मेलन में उन सभी पहलुओं पर चर्चा हुई जिससे जीवन की उत्कृष्टता में इजाफा हो। इस सम्मेलन का शुभारंभ द्रोणाचार्य अवार्ड प्राप्त महावीर सिंह फोगाट, ओलंपिक मैडल प्राप्त साक्षी मलिक के कोच ईश्वर सिंह दहिया, राष्ट्रपति द्वारा पुलिस पदक प्राप्त डॉ. दिनेश कुमार शुक्ल, भारतीय स्केटिंग टीम के कोच वीरेश यामा, फिल्म प्रोड्युसर कोलजिंदर सिंह सिद्धू, भारतीय नेवी के कप्तान त्रिभुवन जायसवाल, खेल प्रभाग की उपाध्यक्ष बीके शशि, राष्ट्रीय संयोजिका बीके कुलदीप, मुख्यालय संयोजक बीके जगबीर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान बीके शशि ने आत्मिक चिंतन से मन शांत और एकाग्र करके विजय प्राप्त करने की बात कही साथ ही बीके कुलदीप ने बढ़िया प्रदर्शन के लिए मानसिक एकाग्रता के लिए राजयोग के अभ्यास को दिनचर्या में शामिल करने की अपील की।

खेलकूद राष्ट्रीय सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथि

ऊर्जा का संचार हुआ

द्रोणाचार्य अवार्ड प्राप्त महावीर सिंह फोगाट ने कहा कि यहां आने पर मुझमें काफी ऊर्जा का संचार हुआ है और मैं इस प्रकार से तैयारी करवाऊंगा अपने खिलाडियों की, कि मैं अगले ओलंपिक में दो तीन गोल्ड लेकर आंऊ। अगर सरकार का थोड़ा सहयोग मिलता रहा तो मैडल के मामले में हम किसी से भी पीछे नहीं रहेंगे।

देश के लिए दूंगा कुर्बानी

ओलंपिक मैडल प्राप्त साक्षी मालिक के कोच ईश्वर सिंह दहिया ने कहा कि मुझे यहां से काफी प्रेरणा मिलती आई है। देश के लिए मैं कुर्बानी दूंगा। देश के बच्चों को तैयार करता रहूंगा, प्रेरणाएं देता रहूंगा।

मन में होती है जीत की भूख

भारतीय स्केटिंग टीम के कोच वीरेश यामा ने कहा कि जीत की भूख आपके मन में होती है। मन की ताकत का विवरण देते हुए अपने पुत्र अनूप की स्केटिंग की विजय गाथा उन्होने बताई जो रोमांचक थी।

वैज्ञानिक शिक्षा है राजयोग

भारतीय नेवी के कप्तान त्रिभुवन जायसवाल ने कहा कि राजयोग की शिक्षा इतनी वैज्ञानिक है कि यह आपकी मन की ताकत को काफी बढ़ाती है। मन को शांत करके प्रतियोगिता में भाग लेने से लोगों को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। अंत मे ब्रह्माकुमारीज़ खेल प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके जगबीर ने ब्रह्माकुमारीज़ खेल के लिए क्या योगदान दे रही हैं यह पावर पॉइंट के माध्यम से बताया। ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा भारत के विभिन्न स्थानों पर योग कैंप आदि आयोजित किये जाते हैं। आईओसी के टास्क फोर्स द्वारा भी ब्रह्माकुमारीज़ के योग कैंप की सराहना की गयी है और सहयोग भी लिया गया।

उल्लास का क्षण

इंडिया टीवी के रजत शर्मा को एक्सीलेंस ऑफ एचीवमेंट अवार्ड

रजत शर्मा को अवार्ड प्रदान करते बीके कोमल व बीके सुशांत।

शिव आमंत्रण, नोएडा। नोएडा में वरिष्ठ पत्रकार तथा इंडिया टीवी के चेयरमैन एवं एडिटर इन चीफ रजत शर्मा को पत्रकारिता के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए एक्सीलेंस ऑफ एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ब्रह्माकुमारीज़ गॉडलीवुड स्टूडियो के न्यूज विभाग के हेड तथा संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी बीके कोमल एवं मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके सुशांत द्वारा इंडिया टीवी कार्यालय में मोमेंटों एवं प्रशास्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रजत शर्मा से करीब आधे घंटे की मुलाकात में संस्थान की गतिविधियों, संस्था के सामाजिक सरोकार, राजयोग मेडिटेशन और आंतरिक तरक्की के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के 80 वर्ष पूर्ण होने पर विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें राजनीति, मीडिया, अध्यात्मिक तथा फिल्मी जगत समेत कई क्षेत्रों के दिग्गजों ने शरीक होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थीं। वहीं, मीडिया द्वारा समाज में की जा रही उत्कृष्ठ सेवाओं के लिए मीडिया की जानी मानी हस्तियों को सम्मानित भी किया गया था। इस जश्न में इंडिया टीवी के एडिटर इन चीफ पद्म भूषण रजत शर्मा का भी आना तय था, परन्तु किन्हीं कारण वश उनका आना नहीं हो पाया था, इसी के चलते संस्थान के वरिष्ठ सदस्यों ने उनसे मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

ईश्वरीय ज्ञान से जीवन श्रेष्ठ बनता है : ज्ञानचंद गुप्ता

हरियाणा सरकार के राज्य मंत्री ने व्यक्त किये विचार

शिव आमंत्रण ■ पंचकुला

हरियाणा सरकार के राज्य मंत्री ज्ञानचंद गुप्ता ने ब्रह्माकुमारीज के कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि यह एक मात्र ऐसा संस्थान है जहां आकर आदमी अपने अभिमान का त्याग कर सकता है और यहां सच्चे मन की शांति का एहसास होता है। हम ऐसे कई भाई-बहनों को जानते हैं जिन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ने के बाद नशों जैसे की शराब, सिगरेट तथा गलत खानपान को छोड़ा है और आज अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रहें हैं। वे हरियाणा के पंचकुला सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित खुशहाल जीवन कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में मुम्बई से आये कॉरपोरेट ट्रेनर बीके स्वामीनाथन, मीडिया सेल मेम्बर वीरेंदर गर्ग, माउंट आबू से आये ओम म्यूजियम के डायरेक्टर बीके मोहन, एवं सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अमृता उपस्थित रहीं।

राज्य मंत्री ज्ञानचंद गुप्ता का सम्मान करती बीके अमृता।

क्रोध व चिंता त्यागें

उन्होने कहा, भविष्य में संस्थान को किसी भी तरह का सहयोग करना मेरे लिए बड़े हर्ष और गौरव की बात होगी । इस दौरान बीके स्वामीनाथन ने कहा, खुश रहने के लिये क्रोध व चिंता को छोड़ना होगा जो केवल सकारात्मक चिंतन एवं राजयोग के नियमित अभ्यास से ही संभव है। दुनिया को बदलने की शुरुआत स्वयं से करनी होगी और दुनिया को स्वर्ग बनाने से पहले स्वयं के घर को स्वर्ग बनाना होगा। अन्त में बीके अमृता ने शॉल ओढ़ाकर व ईश्वरीय सौगात भेंट कर राज्य मंत्री को सम्मानित किया।

दैवी गुणों के विकास से आयेगी दिव्यता

शिव आमंत्रण, ऋषिकेश। बिना दैवी गुणों के मनुष्य का जीवन पशु के तुल्य है। यदि भारत में दिव्य समाज और दिव्य परिवार चाहिए तो उसके लिए जीवन में दैवी गुणों को धारण करना पड़ेगा। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्थ अंतराष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू के वरिष्ठ राजयोगी तथा मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा ने व्यक्त किये। वे परमार्थ निकेतन ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति पुरातन संस्कृति है; आदि सनातन संस्कृति है; दैवीय संस्कृति है। हम सभी अपने अन्दर दैवीय गुणों को विकसित कर पुन: भारत में भी दिव्यता भर दे। एक ईश्वर, एक परिवार की संस्कृति का अपनाय। यहां मानस का मम है।'

परमार्थ निकेतन में दीप जलाकर उदघाटन करते अतिथि

महामण्डलेश्वर स्वामी असंगानन्द सरस्वती जी महाराज जी ने सभी का अभिवादन करते हुये कहा कि 'मानस की कथा मार्मिक कथा है; क्रान्तिकारी कथा है; वैदिक संस्कृति के संदेश की मौलिक व्याख्या है। मानस कथा हमें जीवन की शैली सीखाती है; गृहस्थ जीवन का मर्म बताती है। कथा को केवल सुन कर न रह जाये बल्कि यहां से कुछ लेकर जायें।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि 'हम सभी सौभग्यशाली है कि हमने भरत भगवान के भारत में जन्म लिया; हम सभी भगवान के हस्ताक्षर है। कथा व्यास श्री मुरलीधर जी महाराज समेत कई संतों एवं महात्माओं ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे।

बरेली में आध्यात्मिक कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में राजयोग द्वारा खुशनुमा जीवन विषय पर आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद से पधारी बीके मनोरमा ने राजयोग के बारे में सभी को अवगत कराते हुए कहा कि राजयोग का अभ्यास मनुष्य के मन को शांति प्रदान करता है और शांति ही अन्य मानसिक शक्तियों को विकसित करती है। राजयोग के निरंतर अभ्यास से मनुष्य का अन्त:करण शुद्ध होता जाता है और जीवन खुशियों से भरपूर हो जाता है। इस अवसर पर गोल्डन ग्रीन पार्क एसोशिएसन के अध्यक्ष महेश चन्द्र शर्मा, एमजेपी रोहिल खण्ड युनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मोर्या, फायर ऑफिस से डिप्टी डायरेक्टर केपी गुप्ता, बीके पार्वती, बीके नीता, बीके प्रियम्बदा, बीके रजनी मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

फिल्लौर में मेडिकल कैंप, 400 से अधिक नजर के चश्मे वितरित

शिव आमंत्रण, फिल्लौर। पंजाब के फिल्लौर सेवाकेंद्र द्वारा कम्युनिटी हॉल में चार दिवसीय फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया। जिसमें आई चेकअप, डेंटल चेकअप, आयूर्वेदिक, होम्योपैथी, नेचरोपैथी आदि डॉक्टर्स द्वारा नि:शुल्क चिकित्सक सेवाएं प्रदान की। इस मौके पर डॉक्टरों ने समाज में बढ़ रही बिमारियों की रोकथाम के लिए समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर डॉ. अमरजीत, डॉ. विशाल लूथरा, डॉ. गोपाल, डॉ. मिनाक्षी राणा, डॉ. सतनाम सिंह, डॉ. कंवलजीत सिंह, ब्लड बैंक के प्रधान डॉ. मल्कित सिंह, बीके राकेश, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राज उपस्थित रही। कैंप में डॉक्टरों ने आए मरीजों के आई टेस्ट एवं शुगर टेस्ट भी किए । इसके साथ ही नि:शुल्क दवाईयां और 400 से भी अधिक नजर के चश्में भी वितरित किए। करीब 40 लोगों के आंखो के ऑपरेशन भी कराए गए। इस कैंप में लगभग 900 लोगों की जांच की गई एवं बिमारियों की रोकथाम के लिए कई सावधानी बरतने के तरीके भी सिखाए। इस मैडिकल कैंप का शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं कई समाज सेवा संस्थाओं ने भी अवलोकन किया। करीब 25 गांवों से आए लोगों ने इस कैंप का भरपूर लाभ लिया।

अल्कापुरी मे रंगारंग कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, वडोदरा। वडोदरा के अल्कापुरी सेवाकेन्द्र के 22वां वार्षिकोत्सव पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस खास अवसर पर सेवाकेन्द्र की प्रभारी बीके डॉ निरंजना तथा संस्थान के अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने केक काटकर सभी को वार्षिकोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें ऐसी दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सुख-शांति एवं समृद्धि हो। इस दौरान बच्चों ने सालगिरह पर एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी, जिसमें भारत मां की महिमा और गौरव का दृश्य देखने को मिला।

नेपाल में नववर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम

शिव आमंत्रण, नेपाल। नेपाल के राजविराज सेवाकेन्द्र द्वारा विक्रमी संवत के अनुसार नववर्ष के आगमन पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बीके भगवती ने नववर्ष के उपलक्ष्य में सभी को अपनी शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह अवसर है पुरानी बुरी बातों को छोड़ने तथा नई अच्छी बातों को जीवन में उतारने का।

अत: हमें अपने जीवन में कुछ अच्छी शुरूआत करनी चाहिए। नेपाली फिल्म डायरेक्टर किशन अर्याल, नेपाली-मैथली फिल्म अभिनत्री डाली सरकार, नेपाली-मैथली गायिका अंजू यादव, नेपाल पत्रकार महासंघ के केन्द्रीय पाषद श्याम सुन्दर यादव तथा बीके दीपक मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के बाद ग्रुप फोटो में अतिथि।

सदा खुश रहो, मुस्कुराते रहो कार्यक्रम

नीमच के कार्यक्रम में बीके चक्रधारी के विचार

व्यक्ति का दृष्टिकोण है परिस्थितियों को नापने का पैमाना

शिव आमंत्रण, नीमच। हमारे जीवन में परिस्थितियों का आना स्वाभाविक है लेकिन उनको सुलझाने के लिये हमें सकारात्मक दृष्टिकोण ही अपनाना चाहिए। परिस्थितियों को नापने का पैमाना हरेक का अपना-अपना होता है लेकिन सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति हर बात का सहज समाधान खोज लेता है। उपरोक्त बात बताते हुए बीके चक्रधारी ने समझाया कि आध्यात्मिक जीवनशैली और राजयोग साधना अपनाने वाले व्यक्ति की सोच हमेशा ही सकारात्मक बनती चली जाती है, जिससे वह स्वयं अपने घर, परिवार तथा कार्यस्थल को भी तनावमुक्त खुशहाल रख सकता है।

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

मध्यप्रदेश के नीमच सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित सदा खुश रहो...मुस्कुराते रहो... विषय पर वे अपना वक्तव्य दे रहीं थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक दिलीप सिंह परिहार, आईएमए के अध्यक्ष डॉ. अशोक जैन, वनमंडल अधिकारी एसके गुप्ता, वरिष्ठ चिकित्सक एचएन गुप्ता, दिल्ली से शक्तिनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चक्रधारी, क्षेत्रीय प्रभारी बीके सविता, दिल्ली डेरावाल सेवाकेंद्र से बीके लता, क्षेत्रीय निदेशक बीके सुरेंद्र समेत कई दिग्गजों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इनकी रही मौजदूगी

इस दौरान राजनेता, उच्च प्रशासनिक अधिकारी, व्यापारी, उद्योगपति, चिकित्सक, इंजिनियर आदि के अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थानों व क्लबों के पदाधिकारी सम्मिलित हुये।

खास खबरें

यह ज्ञान मूल्यवान और जरूरी है : जय प्रकाश

शिव आमंत्रण, वीरगंज। नेपाल के वीरगंज में स्नेह मिलन एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सांसद जय प्रकाश, समाज सेवी लाल बहादुर श्रेष्ठ एवं रामबहादुर श्रेष्ठ, एफएम रेडियो के स्टेशन मास्टर विजय बस्ती, सबजोन प्रभारी बीके रविना सहित अन्य बीके सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर एमपी जय प्रकाश ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुये कहा कि यह ज्ञान व्यावहारिक है और इसे दैनिक जीवन में धारण करेंगे। सबजोन प्रभारी बीके रविना ने उपस्थित अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया।

नकारात्मक चिंतन बनता है तनाव का कारण

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद। हरियाणा में फरीदाबाद सेवाकेंद्र द्वारा पुलिस कमिशनर ऑफिस में तनाव प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें राजयोग शिक्षिका बीके पूनम ने तनाव का कारण बताते हुये कहा कि जिस भी नकारात्मक बात को हम बार-बार विचार में लाते हैं वह तनाव का रूप बन जाती है और इसके समाधान के लिये राजयोग का नियमित अभ्यास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि किसी भी बात को सकारात्मक दृष्टि से देखना तनावमुक्त जीवन का मुख्य आधार है। इस अवसर पर कार्यशाला का लाभ एसीपी राजेश चेची तथा पुलिस कर्मचारियों ने लिया । इस दौरान डीसीपी ट्रैफिक पूरन चंद पंवार ने कहा कि वर्तमान में ऐसे कार्यक्रम बड़े ही मददगार साबित होते हैं।

तनाव मुक्ति के लिये सकारात्मक चिंतन जरूरी

शिव आमंत्रण, दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग सेवाकेंद्र द्वारा भी अलविदा तनाव विषय पर कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें राजयोग शिक्षिका बीके रूपाली ने तनाव मुक्त जीवन बनाने की विधियां बताते हुये कहा कि राजयोग का नियमित अभ्यास एवं सकारात्मक चिंतन तनाव से मुक्त होने की सहज विधि है। साथ ही उन्होंने गाइडेड मेडीटेशन कराया जिसकी सभी ने सराहना की। प्रोफेसर कॉलोनी के शिव मंदिर हॉल में संपन्न हुये इस कार्यक्रम में मेयर चंद्रिका चंद्राकर, वार्ड पार्षद अल्का बाघमर सहित नगर के कई लोगों ने भाग लिया एवं तनाव को अलविदा करने का संकल्प लिया ।

सद्भाव भी सहायक है तनाव मुक्त जीवन के लिए

शिव आमंत्रण, बल्टाना। पंजाब के बल्टाना में चार दिवसीय अलविदा तनाव विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश अमर नाथ जिंदल एवं सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुमन ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर बीके सुमन ने कहा कि मन के विचार ही सुख और दु:ख के कारण हैं। इसलिये तनाव मुक्त जीवन का अनुभव करने के लिये हमें सभी के प्रति शुभभाव ही रखना चाहिए। साथ ही उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य के लिये एक्सरसाइज भी कराई । इस मौके पर स्वर्णिम युग के महाराजा एवं महारानी लक्ष्मी नारायण तथा राधे कृष्ण की चैतन्य झांकी सजाकर उनके जैसा निर्विकारी बनने का आवाहन किया और अंत में सभी को ईश्वरीय साहित्य भेंट कर सम्मानित किया।

पुलिसकर्मियों को सिखाए तनाव मुक्ति के गुर

शिव आमंत्रण, सिंगूर। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में पुलिस कर्मियों के लिये तनाव प्रबंधन एवं मानसिक सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वर्धमान सेवाकेंद्र संचालिका बीके रूमा ने कहा कि हर परिस्थिति को सकारात्मक दृष्टि से देखना एवं सर्व के प्रति शुभकामना रखना तनाव मुक्त जीवन का आधार है। इस अवसर पर बीके बिंदु ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए राजयोग का महत्व बताया। सिंगूर के बीडीओ हॉल में संपन्न हुए इस कार्यक्रम का लाभ पुलिस अधिकारी सुखमय चक्रवर्ती सहित पुलिसकर्मियों ने लिया ।

नये राजयोग भवन का हुआ उद्घाटन

शिव आमंत्रण, बैतूल। ब्रह्माकुमारीज़ के उपसेवाकेंद्र मुलताई के नये भवन का उद्घाटन भोपाल जोन इन्चार्ज बीके अवधेश ने फिता काटकर किया। इस अवसर पर मुलताई क्षेत्र के विधायक चन्द्रशेखर देशमुख, छत्तरपुर की बीके शैलजा, शाजापुर की बीके प्रतिभा, बैतूल की बीके मंजू, सारनी की बीके सुनिता विशेष रूप से उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में बीके अवधेश ने सभी को नये भवन निर्माण की शुभकामनायें दी और आशीर्वचन दिये। उपस्थित सभी अतिथियों ने अपनी शुभकामनाये व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी तथा शहर में भव्य रैली निकाली गई। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के बड़ी संख्या में संस्था सदस्य मौजूद थे।

महाराष्ट्र के साईबन में मेडीटेशन हट का उद्घाटन

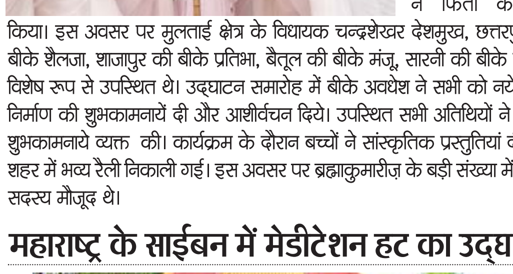

शिव आमंत्रण, साईबन। महाराष्ट्र के साईबन कृषि पर्यटन केन्द्र के अन्तर्गत साईबन में मधुबन मेडिटेशन प्रोजेक्ट का शुभारंभ संस्थान के मुख्यालय से आए वरिष्ठ राजयोगी बीके आत्मप्रकाश तथा सेवाकेन्द्र संचालिका राजराजेश्वरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रोजेक्ट के विषय में जानकारी देते हुए प्रोजेक्ट की चेअरमेन डॉ. सुधा कांकरिया ने बताया कि वर्तमान में मनुष्य शारीरिक बिमारियों के बजाए मानसिक रूप से ज्यादा बिमार है। साईबन कृषि पर्यटन केन्द्र में हर हफ्ते हजारों की संख्या में पर्यटक आते है। उनको परमात्म परिचय तथा आन्तरिक शान्ति की अनुभूति के लिए इसकी शुरूआत की गई है। इस अवसर पर बीके आत्मप्रकाश तथा न्यायाधीश चारू डोंगरे ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

राजगढ़ में मनाया गया प्राकट्य पंचमी समारोह

शिव आमंत्रण, राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ में नगर पालिका परिषद् द्वारा आदि गुरु श्री शंकराचार्य का प्राकट्य पंचमी समारोह मनाया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ को मुख्य रूप से आमंत्रित किया गया। इस समारोह में सांसद रोड़मल नागर, विधायक अमरसिंह यादव, खादी ग्राम उद्योग उपाध्यक्ष रघुनन्दन शर्मा, स्थानीय जिला प्रभारी बीके मधु ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यह कार्यक्रम मंगल भवन में आयोजित किया गया था, जिसमें बीके मधु ने अपने विचार व्यक्त किए एवं भारतीय संस्कृति का महत्व बताया।

अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक | रियल जिन्दगी में वह सब कुछ सम्भव नहीं हो पाता जो फिल्मों में दिखता है

ब्रह्मा बाबा की फिल्म लोगों की बदलेगी जिन्दगी : सुजीत सरकार

शिव आमंत्रण, आबूरोड। फिल्म निर्माता और निर्देशक सुजीत सरकार ने कहा कि फिल्मों की रील लाईफ और रियल लाईफ में बहुत बड़ा अंतर होता है। क्योंकि रियल जिन्दगी में वह सब कुछ सम्भव नहीं हो पाता जो फिल्मों में दिखता है। ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर बन रही फिल्म लोगों की जिन्दगी बदल देगी। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के शांतिवन में चल रहे अन्तर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में देशभर से आये संस्था के पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सचिव बीके निर्वेर फिल्म निर्माता सुजीत सरकार को ईश्वरीय सौगात देते हुए।

अब समाज को आध्यात्मिक फिल्मों की जरूरत

सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ पिकू, पिंक समेत कई हिट फिल्में बना चुके सुजीत सरकार ने कहा कि मौजूदा समय में अब ऐसी फिल्मों की जरूरत है जो लोगों को एक स्वस्थ परिवार और समाज की रचना करने में सहायक सिद्ध हो सके। आध्यात्मिक फिल्मों की अब समाज को बहुत आवश्यकता है ताकि लोगों का सही मार्गदर्शन कर सकें। ब्रह्माकुमारीज संस्था से पिछले कई वर्षों से जुड़ा हूँ यह देखता हूँ कि यहाँ का जीवन समाज में एक दशा और दिशा देने वाला है। मुझे खुशी है कि संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्माबाबा की जीवनी पर मुझे फिल्म बनाने का अवसर मिला है। जिससे समाज को परमात्मा द्वारा स्थापित की जा रही नयी दुनिया का संदेश दिया जा सके। हाल ही फिल्म फेयर पिंक को बेस्ट फिल्म के अवार्ड से नवाजा गया था।

फिल्म इंडस्ट्री को सही रास्ता मिलेगा

कार्यक्रम में संस्थान के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा कि हमें बेहद प्रसन्नता है कि इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को सुजीत सरकार जैसे लोगों का ऐसी फिल्मों के प्रति सोच निश्चित तौर पर समाज में सकारात्मक बदलाव का एक हिस्सा है। इससे समूचे फिल्म इंडस्ट्री को सही रास्ता मिलेगा। इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने उन्हें साफा पहनाकर सम्मानित किया। सूचना निदेशक बीके करूणा, गॉडलीवुड स्टूडियो के कार्यकारी निदेशक बीके हरीलाल, एनिमेशन विभाग के बीके सुशील, बीके परमेश, बीके शोभा समेत कई लोग उपस्थित थे।

मोटीवेशन | असंध के स्कूलों मे बीके भगवान ने किया मार्गदर्शन

नैतिक मूल्यों से व्यक्तित्व में निखार

शिव आमंत्रण ■ असंध

बी के भगवान् भाई ने कहा कि भौतिक शिक्षा से हम रोजगार प्राप्त कर सकते हैं लेकिन परिवार, समाज, कार्यस्थल में परेशानी या चुनौती का मुकाबला नहीं कर सकते। उन्होंने कहा की नैतिक मूल्यों से व्यक्तित्व में निखार और व्यवहार में सुधार आता है। नैतिक मूल्यों की कमी यही व्यक्तिगत, सामाजिक, पारिवारिक, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सर्व समस्याओं का मूल कारण है। समाज सुधार के लिए नैतिक मूल्य जरूरी है। उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा की धारणा से, आंतरिक सशक्तीकरण से इच्छाओं को कम कर भौतिकवाद की आंधी से बचाया जा सकता है। व्यक्ति का आचरण उसकी जुबान से ज्यादा तेज होता है। लोग जो कुछ आंखों से देखते हैं उसी की नकल करते हैं। वे जे. पी. एस. पब्लिक स्कूल में नैतिक मूल्यों का जीवन में महत्त्व पर कार्यक्रम वह बोल रहे थे।

जे. पी. एस. पब्लिक स्कूल में नैतिक मूल्यों पर बोलते बीके भगवान।

भगवान् भाई ने कहा कि हमारे जीवन में श्रेष्ठ मूल्य है तो दूसरे उससे प्रभावित होते हैं। जीवन में नैतिक मूल्य होंगे तो आदमी लालच, हिंसा, झूठ, कपट का विरोध करेगा और समाज में परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा नैतिकता से मनोबल बढ़ जाता है। मूल्यों की शिक्षा से ही हम जीवन में विपरीत परिस्थिति का सामना कर सकते हैं। जब तक हम अपने जीवन में मूल्यों और प्राथमिकता का निर्धारण नहीं करेंगे, अपने लिए आचार संहिता नहीं बनाएंगे तब तक हम चुनौतियों का मुकाबला नहीं कर सकते। चरित्र उत्थान और आंतरिक शक्तियों के विकास के लिए आचार संहिता जरूरी है।

उन्होंने अंत कहा कि जब तक आध्यात्मिकता को नहीं अपनाएंगे तो जीवन में मूल्यों की धारणा संभव नहीं है। ऐसे मोके पर असंध सेवाकेंद्र प्रभारी बी के उषा बहन ने कहा के वर्तमान में बच्चो को अच्छे संस्कार कि आवश्यकता है उन्होंने बताया कि संस्कारित बच्चे देश कि सच्ची सम्पति है। अत: हमें अपने आचरण पर ध्यान देना चाहिए। असंध के आदर्श सीनियर सेकण्डरी स्कूल, एम. एम. पब्लिक स्कूल, नेशनल पब्लिक स्कूल, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे भी उन्होने नैतिक शिक्षा पर कार्यक्रम किए जिसे सुनने के लिये छात्राओ ने बहुत अच्छा उमंग उत्साह दिखाया।

जिन्होंने बढ़ाया मान, उनका हुआ सम्मान

शिव आमंत्रण, उदयपुर। उदयपुर में मोहन लाल सुखाड़िया युनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में प्लेटिनम ग्रुप द्वारा वुमन फंक्शन अवार्ड 2017 के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीके रीटा, एमडी प्रवीण रातलिया, फिल्म कलाकार मुग्धा गोडसे, अरावली ईंस्टीट्यूट की डायरेक्टर सुशीला अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान मुख्यातिथि बीके रीटा के साथ-साथ समाज में 50 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज में अपने विशिष्ट कार्यों का योगदान दिया। कार्यक्रम के अन्त में उदयपुर टूडे पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

बेटी बचाओ का दिया संदेश

शिव आमंत्रण, तासगाँव। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा पूरे भारतवर्ष में चलाये जा रहे बेटी बचाओ-सशक्त बनाओ विषय पर महाराष्ट्र के अंजनी, तासगाँव में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तासगाँव सेवाकेन्द्र संचालिका बीके जयश्री की अध्यक्षा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान बीके जयश्री ने अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग को बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच रखने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर रैली भी निकाली गई जिसमें सभी को बेटी बचाओ-सशक्त बनाओ के बारे में संदेश दिया गया।

कृषकों का सशक्तिकरण आवश्यक : चुडासमा

शिव आमंत्रण, वडोदरा। वर्तमान में किसानों की दशा बहुत ही दयनीय होती जा रही है। कृषि प्रधान देश में अगर ये हालात बने रहे तो देश प्रगति नहीं कर सकेगा। इस समय किसानों के सशक्तिकरण की सबसे ज्यादा जरूरत है। ऐसे समय में ब्रह्माकुमारीज़ ने जो समय की माँग को महत्व दिया है वह काफी सराहनीय है। उक्त उद्गार व्यक्त किये वडोदरा जिला भाजपा प्रमुख दिलुभा चुडासमा ने। वडोदरा के बील-चापड रोड स्थित काशीबा फार्म में आयोजित किसान सशक्तिकरण कार्यक्रम में वह बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज किसान जिस मानसिक और आर्थिक परेशानियों से गुजर रहा है वह काफी असहनीय है। यही वजह है कि वे खुदकुशी करने पर मजबूर हो जाता है। ऐसे में संस्थान ने उनके मार्गदर्शन का काम अपने हाथों में लेकर किसानों के जीवन में फिर से आशा की अलख जगाई है। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला भाजपा प्रमुख दिलुभा चुडासमा, गुजरात राज्य किसान समाज के महामंत्री विपिन पटेल, संयुक्त खेती नियामक विस्तरण एम. के. कुरेशी, सूरत के साधना भवन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता, अटलादरा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अरूणा, ग्राम विकास प्रभाग के सदस्य राजेश दवे समेत कई विशिष्ट लोगों ने दीप प्रज्ज्वलन से किया। बीके राजेश ने यौगिक तथा जैविक खेती तथा एमके कुरैशी ने आधुनिक खेती की बारीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित थे।

बड़ा बनने से पहले अच्छा इन्सान बनें

कलेक्टर ओपी चौधरी ने व्यक्त किये विचार

शिव आमंत्रण ■ रायपुर

जीवन में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष जरूरी है। कलेक्टर, कमिश्नर बनना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात है एक अच्छा इन्सान बनना। आज देश और समाज को अच्छे इन्सानों की जरूरत है। जीवन में अच्छाईयों को धारण करने के लिए राजयोग ध्यान की बहुत आवश्यकता है। उक्त विचार व्यक्त किये जिलाधीश ओ. पी. चौधरी। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प के उद्घाटन समारोह में बच्चों को सम्बोधित कर रहे थे।

समर कैम्प का उद्घाटन करते कलेक्टर ओ. पी. चौधरी व अन्य अतिथि।

उन्होंने देश की असली ताकत यहाँ के सत्तर करोड़ युवा और बच्चों को बतलाते हुए कहा कि इस देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं और बच्चों पर है। आप सभी बच्चे सौभाग्यशाली हैं कि ब्रह्माकुमारी संस्थान में समर कैम्प के माध्यम से आपको उचित मागदर्शन मिल रहा है।

क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने कहा, मनोविज्ञान यह कहता है कि बच्चों में संस्कार परिवर्तन 15 वर्ष की उम्र तक ही हो सकता है। इसीलिए ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा पिछले 12 वर्षों से लगातार समर कैम्प के माध्यम से छोटे बच्चों को आध्यात्मिक शिक्षा दी जा रही है। इस दौरान भूतपूर्व अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता तथा बीके आदिती ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

गुजरात के स्थापना दिवस पर राजकोट में स्वास्थ्य जागृति शिविर

शिव आमंत्रण, राजकोट। गुजरात के स्थापना दिवस पर राजकोट में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गोकुल धाम सोसायटी ग्राउण्ड में स्वास्थ्य जाग्रति शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आयी राजकोट उप महापौर डॉ. दर्शिता शाह ने शिविर के आयोजन पर अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। इस अवसर पर राजकोट नगर आयुक्त बंछानिधी पानी, राजकोट सबजोन प्रभारी बीके भारती, बीके अंजू ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर डॉ. रीटा वधासिया और एरोबिक्स ट्रेनर प्रीति पटनी ने स्वस्थ रहने की विधियां बताते हुये कहा कि शाकाहारी भोजन एवं नियमित व्यायाम स्वस्थ रहने का मुख्य आधार हैं तथा मन को सशक्त बनाने के लिए राजयोग का अभ्यास जरूरी है।

हरियाण के खनन, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री नायब सिंह सैनी के मेले का उद्घाटन पर व्यक्त विचार

'देश ही नहीं, विश्व का मार्गदर्शन कर रही है ब्रह्माकुमारी'

शिव आमंत्रण ■ बराड़ा

खनन, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अध्यात्मिकता बिना जीवन अधूरा है। ब्रह्माकुमारी भारत ही नहीं पूरे विश्व का मार्ग दर्शन कर रही है। घर परिवार में रहते हुए सामान्य जीवन जीते हुए लोगों को पवित्रता, सौम्यता धारण करने की कला सिखाकर ब्रह्माकुमारीज ने विश्व के सामने एक अनूठा व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि मैंने व्यक्तिगत तौर पर संस्था के साथ जुड़ कर ये बातें अनुभव की हैं। कुरीतियां व भ्रष्टाचार के माहोल को बदलने में ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षा कामयाब साबित हो रही हैं और पूरे विश्व को रास्ता दिखा रही हैं।

उन्होंने लोगों से इस संस्था में राजयोग मेडिटेशन सीख कर एवं इनके बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सुख शांतिमय बनाने का आहवान किया है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अग्रवाल धर्मशाला के सामने सरदार सुरजीत सिंह कॉम्प्लेक्स में हेल्थ, वेल्थ, हैप्पीनेस मेले का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में खनन, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्यातिथि, हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने विशेष अतिथि, अंबाला सबजोन इंचार्ज बीके कृष्णा ने कार्यक्रम अध्यक्ष के साथ चंडीगढ क्षेत्र प्रभारी बीके उत्तरा, जोनल कोऑर्डिनेटर साइंटिस्ट इन्जीनियर्स विंग के बीके भारत भूषण, चंडीगढ़ से बीके कविता, बराडा की सेंटर प्रभारी बीके सविता आदि ने शिरकत की। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन के चेयरमेन भारत भूषण भारती ने ब्रह्माकुमारीज़ के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि मेले में आने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे वो एक अलग ही दुनिया में आ गए हैं। यह मेला अवश्य ही क्षेत्रवासियों के लिए सहायक सिद्ध होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। बीके कविता ने बताया कि आज संस्था विश्वभर में आध्यात्मिकता द्वारा जीवन में खुशियां, शांति लाने का भागीरथी प्रयास कर रही है। इसके लिए संस्था विश्वभर में नि:शुल्क मेडिटेशन सिखाने में जुटी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते खनन, श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री नायबसिंह सैनी।

किया अवलोकन

खनन, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री नायब सिंह सैनी ने मेले का दौरा कर सभी झांकियां देखी और संस्था के इस प्रयास की जमकर सराहना की। बीके बहनों ने अतिथिगण को मेले व झांकियों के बारे में जानकारी दी। अमरनाथ की चढ़ाई व गुफा की मनमोहक झांकी, 27 फुट उंचे कुंभकर्ण का लाइव शो, सतयुग स्वर्ग के दिव्य दर्शन, ईश्वरीय अनुभूति करवाने के लिए लेजर शो दिखाया गया। बीके सविता ने बताया कि जीवन में खुशी, शांति लाने के लिए सोच बदलनी होगी और इसलिए इस आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों को सौगात देकर सम्मानित किया गया।

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।

Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**

पत्र व्यवहार का पता

क्विक न्यूज

न्यूयॉर्क के पीस विलेज में मधुबन एक्सपीरियंस रिट्रीट

शिव आमंत्रण, न्यूयॉर्क। यूएसए में न्यूयॉर्क के पीस विलेज लर्निंग एंड रिट्रिट सेंटर पर एनुअल मधुबन एक्सपीरियंस रिट्रीट ऑर्गेनाइज की गई। जिसमें अफ्रीका की नेशनल कोर्डीनेटर बीके वेदांती, बीके दिसी, बीके कला, बीके राम, बीके इंदिरा मौजूद रहीं। इस रिट्रीट पर कैनेडा और यूएसए के कई स्थानों से सदस्य पहुंचे थे। ये कार्यक्रम उन लोगों के लिए आयोजित किया गया था जो विदेशी भारत में स्थित संस्था के मुख्यालय राजस्थान माउंट आबू आने में असमर्थ रहे। इस कारण उनके लिए माउंट आबू से आई बीके वेदांती ने सभी के साथ माउंट आबू के अपने कुछ एक्सपीरियंस शेयर किए। इसके साथ ही सभी ने आध्यात्मिक रूप से खुशियां मनाईं।

कीपिंग बाबा इन माइ हार्ट पर रिट्रीट

शिव आमंत्रण, बोर्नियो। मलेशिया बोर्नियो में सेवन्थ बीके बोर्नियो रिट्रीट के अन्तर्गत कीपिंग बाबा इन माइ हार्ट विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मलेशिया फर्स्ट वर्ल्ड हैरीटेज साइट में आयोजित इस कार्यक्रम में कोटा किनाबालू, बिंटूलु, मिरी और कुचिंग से कई स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। जिसमें बीके मीरा और बीके मुरली ने परमात्मा की ब्लैसिंगस् और उसके ज्ञान को कैसे जीवन में धारण करे इससे संबंधित कई स्प्रीच्युअल एक्टीविटीज कराई। इस वर्कशॉप में फिजिकल हेल्थ और स्प्रीचुअल हेल्थ के विषय में भी जानकारी दी।

चीनी लोगों का भी बढ़ा राजयोग के प्रति आकर्षण

शिव आमंत्रण, शेन्झेन। सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन के शेन्झेन में स्प्रिचुअल पब्लिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ को भी आमंत्रित किया गया। इस पब्लिक प्रोग्राम में माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके डॉ. सविता ने लगभग 1300 चीनियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेडिटेशन मेडिसिन से ज्यादा बेहतर है और बताया कि मेडिटेशन शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हर तरह से मनुष्य को स्वस्थ बनाता है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने सुप्रीम सोल से कनेक्शन जोड़कर स्वयं में बदलाव लाकर सुखी और शान्त जीवन बनाने की विधि बताई। चीन की लेडी सू एक स्प्रिचुअल लीडर हैं जिनकी स्प्रिचुअल रिसर्च कमेटी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। लेडी सू संस्थान के कार्यों में अपनी सहभागिता देती रहतीं है। इस मौके पर बीके चेन ने राजयोग का अभ्यास भी कराया जिसका लगभग चीन के 40 हजार लोगों ने ऑनलाइन लाभ लिया।

आईसलैन्ड की ब्रह्माकुमारीज़ को मिला समाजसेवा का अवार्ड

शिव आमंत्रण, रेकजाविक। समाज को बेहतर सेवा देने के कारण इस वर्ष आईसलँड के राष्ट्राध्यक्ष द्वारा लोटस हाउस ब्रह्माकुमारीज़ को अवार्ड दिया गया। आईसलँड का सबसे ज्यादा लोकप्रिय समाचार पत्र फ्रेटाब्लादिद द्वारा समाज सेवा करने वाले व्यक्ति और संस्थाओं को यह अवार्ड दिया जाता है। इस वर्ष दस हजार युरो का ये अवार्ड ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को प्रदान किया गया। आईसलँड के राष्ट्राध्यक्ष गुडनी द जॉन्सन के द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके सिगरून ओस्लेन ने इस अवार्ड को स्वीकार किया।

बड़ों के अनुभवों से लें सीख

शिव आमंत्रण, मुम्बई। मुंबई के मलाड स्थित डिंडोशी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'ब्रिजिंग जनरेशन गैप' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो डिंडोशी सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन, राजस्थानी मंडल गोकुलधाम यशोधाम, भारत विकास परिषद् फिल्म सिटी शाखा द्वारा आयोजित था, जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सदस्यों को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ डिंडोशी सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नागल गेरिया, भारत विकास परिषद् फिल्म सिटी शाखा के अध्यक्ष श्रीधरन, वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पटेल, मलाड सेवाकेंद्रो की प्रभारी बीके कुंति, भानूशांति सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शोभा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मशहूर फिल्म व सीरियल अभिनेता अनुपम श्याम ने शिरकत की और अपने जीवन के कुछ अनुभव सभी के साथ साझा किए, साथ ही डॉ. गिरीश पटेल ने बच्चों और अभिभावकों के बीच के सम्बन्धों में मधुरता लाने के लिए ये जरूरी है कि बच्चों को बड़ो के अनुभवों से सीख लेनी चाहिए।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आन्तरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक सम्पूर्ण अखबार है। जिससे आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है। यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य	:	90 रूपये
तीन वर्ष	:	260 रूपये
आजीवन	:	2200 रूपये

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510 आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान

मो.8769830661, 9413384884

Email: shivamantran@bkivv.org, bkkomal@gmail.com